@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 6 फरवरी, 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 93 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2076-77, पेज (12) मूल्य 2.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

व्यापारिक समझौते भारत की लंबी अवधि की आर्थिक रणनीति का हिस्सा : पीएम मोदी

'सरकार सुधार-प्रदर्शन-बदलाव के मंत्र के साथ भविष्य के लिए तैयार नीतियों पर फोकस कर रही है।'

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भविष्य के लिए तैयार व्यापार समझौते देश की लंबी अवधि की आर्थिक रणनीति का हिस्सा हैं और साथ ही कहा कि देश तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के उत्तर में राज्यसभा में पीएम मोदी ने कहा, 'सरकार सुधार-प्रदर्शन-बदलाव के मंत्र के साथ भविष्य के लिए तैयार नीतियों पर फोकस कर रही है। देश विश्व की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नया वर्ल्ड ऑर्डर बना था और अब फिर से दुनिया नए वर्ल्ड ऑर्डर की तरफ शिफ्ट हो रही है और झुकाव भारत की ओर है, जो

'विश्व बंधु' है। राज्यसभा में पीएम मोदी ने अपने भाषण में ईयू के साथ हुई भारत की डील को 'मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील' कहा। भारत ने कुछ ही दिन पहले अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौते की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि देश का बढ़ता आर्थिक प्रभाव और साझेदारियां इसे बदलती वैश्विक व्यवस्था में मजबूती से स्थापित करती है, जो विश्व मंच पर एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देश की बढ़ती भूमिका को दिखाती है। प्रधानमंत्री ने कहा, '21वीं सदी का पहला चौथाई भाग पूरा हो चुका है। लेकिन यह दूसरा चौथाई भाग निर्णायक है, ठीक वैसे ही जैसे पिछली सदी में भारत के स्वतंत्रता संग्राम का दूसरा चौथाई भाग था। मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह दूसरा चौथाई भाग भी उतना ही सक्षम साबित होगा।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जब आपके पास एक मजबूत विनिर्माण प्रणाली होती है, तो दुनिया आपके साथ व्यापार करना चाहेगी। उन्होंने कहा, 'प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की विकास दर लगातार उच्च और मजबूत है, और कम मुद्रास्फीति की दुनिया भर में सराहना की गई है।'

'कांग्रेस के 'युवराज' का अहंकार सातवें आसमान पर'

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर सिख गुरुओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कल इस सदन के एक सांसद को कांग्रेस के युवराज ने गद्दार कह दिया। सोचिए, इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उन्होंने (कांग्रेसी युवराज) उन्हें गद्दार इसलिए कहा क्योंकि वे सिख थे। यह सिखों का अपमान था, गुरुओं का अपमान था। कांग्रेस के अंदर सिखों के प्रति जो कूट-कूटकर नफरत भरी हुई है, यह उसी की अभिव्यक्ति थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी असम के लोगों से गहरी नफरत रखती है। जब कांग्रेस ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने के फैसले का विरोध किया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। मल्लिकार्जुन खड़गे ने हजारिका जी को 'महज एक गायक' कहकर खारिज कर दिया, जो न केवल असम, बल्कि पूरे कला जगत का घोर अपमान है।

उन्होंने कहा कि यही नहीं, राजनीतिक विद्वेष के कारण हमारे सदानंदन जी मास्टर के दोनों पैर काट दिए गए। भरी जवानी में दोनों पैर काट दिए। कटे हुए पैर से वे जिंदगी गुजार रहे हैं, लेकिन संस्कार इतने ऊंचे हैं कि वाणी में भी अपशब्द नहीं निकलता है। ऐसे व्यक्तित्व को, सदानंदन जी मास्टर को, मैं हृदय से अभिनंदन करता हूं, क्योंकि इतने हमले के बाद भी देश की सेवा का अपना व्रत जारी रखा और आज देश के नीति-निर्धारण में अपना योगदान दे रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सत्ता हमारे लिए सुख का रास्ता नहीं है, सत्ता हमारे लिए सेवा का माध्यम है। मुद्रा योजना से लाखों-करोड़ों लोगों को मदद मिली। स्वरोजगार को बल दिया। कांग्रेस ने कभी स्टार्टअप कल्चर को प्रमोट ही नहीं किया। इनका तो हाल ऐसा है कि ये अपने घर के स्टार्टअप को भी ठीक नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है और मोदी की कब्र खोदना चाहती है क्योंकि 2014 से पहले, मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर कई जानें गईं। इसके जवाब में, हमने ऐसे सभी क्रॉसिंग बंद करवा दिए। इसके अलावा, 2014 से पहले देश भर के 18,000 से अधिक गांवों में बिजली नहीं थी। तब से, इन गांवों में बिजली और रोशनी की व्यवस्था हो चुकी है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य हरि शंकर वर्मा ने उत्तर रेलवे के प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी
नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) हरि शंकर वर्मा ने गुरुवार को बड़ौदा हाउस स्थित उत्तर रेलवे मुख्यालय का दौरा किया और जोन के परिचालन प्रदर्शन और रणनीतिक दिशा की समीक्षा की। विभागाध्यक्षों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान हरि शंकर वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि रेल संचालन के दौरान संरक्षा और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। कार्य संस्कृति के संबंध में कड़े निर्देश देते हुए उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को औपनिवेशिक मानसिकता त्यागने और सेवा वितरण में पूर्णतः ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कर्मचारियों के प्रशिक्षण और कार्यशैली में नवीन एवं अभिनव दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया। वर्मा ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'भारतीय रेलवे 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के लिए विकास का इंजन बनेगी।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक रेलवे अधिकारी का प्रदर्शन इसी व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्य से प्रेरित होना चाहिए। वर्मा ने परिचालन और वाणिज्यिक विभाग के अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की, जिसमें मंडल स्तर के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। सत्र के दौरान उन्होंने युवा अधिकारियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

गृह मंत्री ने लॉन्च किया 'भारत टैक्सी'

ड्राइवरों को मिलेगा मालिकाना हक और सुरक्षा लाभ

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'भारत टैक्सी' सर्विस लॉन्च की। यह देश की पहली सहकारिता क्षेत्र की टैक्सी सर्विस है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी के जरिए ड्राइवरों को मुनाफे में मालिकाना हक दिया जाएगा, साथ ही उनकी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन और बीमा के फायदे भी दिए जाएंगे। इसके अलावा, 'सारथी दीदी' पहल महिला ड्राइवरों और महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगी। 'भारत टैक्सी' के लॉन्च के मौके पर अमित शाह ने कहा कि सहकारिता से बहुत सारे लोग मिलकर छोटी-छोटी पूंजी लगाकर कैसे बड़ी शुरुआत कर सकते हैं, 'भारत टैक्सी' इसका उदाहरण है। मालिक भी होंगे। तीन साल के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका

आज का दिन टैक्सी चालक बहनों-भाइयों के लिए बहुत ही अहम है। चालक बहन-भाई 'भारत टैक्सी' से न सिर्फ अधिक मुनाफा कमा पाएंगे, बल्कि सम्मान के साथ इसके से कामाख्या तक पूरे देश भर में भारत टैक्सी हमारे टैक्सी सारथियों के कल्याण का बहुत बड़ा माध्यम बनने जा रही है। जब मैंने संसद में भारत टैक्सी का मुद्दा रखा था, तब बहुत से लोगों ने यह प्रश्न उठाया था कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश क्यों कर रही है? मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि सरकार नहीं, सहकारिता टैक्सी सर्विस में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि शायद पूरे विश्व में यह अनूठी कोऑपरेटिव टैक्सी कंपनी अस्तित्व में आ रही है, जिसका मालिक टैक्सी चलाने वाला सारथी भाई-बहन है, कोई और नहीं। इस भारत टैक्सी से जुड़े एक-एक सारथी भाई और सारथी दीदी, सभी इस भारत टैक्सी के मालिक हैं। मैं सभी सारथी बहनों-भाइयों से कहना चाहता हूं कि अभी आपकी टैक्सी का पहिया किसी और के लिए कमाई करता है, अब भारत टैक्सी से आपका पहिया आपकी कमाई कराएगा।

श्री गुरु रविदास महाराज जी 649वें प्रकाश पर्व के मौके पर प्रदेश स्तरीय समागम

कौमी पत्रिका
गढ़शंकर/होशियारपुर, 5 फरवरी-श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में श्री खुरालगढ़ साहिब में आयोजित प्रदेश स्तरीय समागम का दूसरा दिन अत्यंत श्रद्धा, धार्मिक मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज जी मेमोरियल, श्री खुरालग? साहिब में रखे गए श्री अखंड साहिब जी के पावन पाठ में बड़ी संख्या में संगतों ने गुरु चरणों में हाजिरी लगाई और समस्त मानवता के कल्याण, सुख-समृद्धि तथा भाईचारे की कामना की। यह भव्य समागम 6 फरवरी तक चलेगा, जिस दिन श्री अखंड साहिब जी के भोग डाले जाएंगे। समागम के अंतिम दिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी गुरु चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश की तरक्की, शांति और सौहार्द की प्रार्थना करेंगे। समागम के दौरान संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस अवसर पर संत बाबा इंदर दास जी (डेरा सत साहिब, मेघोवाल गंजियां), संत महिंदर दास जी, संत प्रेम दास जी तथा संत संजीव दास जी विशेष रूप से

उपस्थित रहे। संतों ने श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं—समता, प्रेम, करुणा और मानवता को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। इस अवसर पर पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल तथा पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने श्रद्धापूर्वक गुरु चरणों में शीश नवाया और संगतों के साथ अरदास में शामिल होकर प्रदेश व देश की खुशहाली की कामना की। डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का जीवन समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि गुरु जी की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और हमें आपसी सद्भाव, सहिष्णुता तथा सेवा भाव के साथ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का संदेश जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने का है।

शेष पृष्ठ 3 पर

किसानों को अब 5 मिनट में ई-केसीसी से ऋण: सीएम योगी

कौमी पत्रिका
लखनऊ, 5 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस ने उत्तर प्रदेश में ऋण स्वीकृति की तस्वीर ही बदल दी है। अन्नदाता किसान जब पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण लेने जाता था, तो 25 दिन से लेकर एक महीने तक इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज वही किसान ई-केसीसी के माध्यम से मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है। वर्ष 2026-27 के लिए जो हमारा कृषि ऋण 3 लाख करोड़ है, यह पहले की तुलना में 13 फीसदी बढ़ा है। यही सुशासन है और इसी दिशा में हमें और मजबूती से आगे बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सरकार और अन्नदाता किसान मिलकर सोच रहे हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग खेती में कैसे किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) को मंच पर सम्मानित भी किया।

दिव्यांग और महिला नेतृत्व वाले एफपीओ बने प्रदेश के लिए रोल मॉडल

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगोष्ठी में जो मॉडल प्रस्तुत किए गए, वे पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कसया मिल्क प्रोड्यूसर एफपीओ, जिसमें 1,005 सदस्य हैं, इसका जीवंत उदाहरण है। पूर्वी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों में, जिन्हें पहले कमजोर माना जाता था, दिव्यांगजनों ने अपनी मेहनत और क्षमता से नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह आंखें खोलने वाला काम है और इसके लिए वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने मथुरा की 750 महिलाओं वाली सरसों उत्पादन कंपनी का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने स्वयं उनकी प्रदर्शनी देखी है। किस तरह मस्टर्ड ऑयल को प्रोसेसिंग से जोड़कर महिलाओं ने बेहतर मुनाफा कमाया, यह पूरे प्रदेश के लिए सीख है। सरकार इस तरह के प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग देगी।

एमएसएमई को नई जान, ओडीओपी बना यूपी की पहचान

सीएम योगी ने कहा कि आज सहकारिता क्षेत्र भी बदल रहा है। सहकार से समृद्धि की ओर के विजन के तहत डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी नीतियों से सहकारी संस्थाओं में सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो विश्व बैंक के साथ एग्री-टेक के क्षेत्र में काम कर रहा है। कृषि, एमएसएमई, महिला, एग्री-टेक और युवा उद्यमिता आज सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की स्थिति को याद करते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र में माफिया हावी था। रिजर्व बैंक ने 16 जिला सरकारी बैंकों को डिफाल्टर घोषित कर बंदी का आदेश कर दिया था। आज हमारी सरकार में इन्हीं 16 में से 15 बैंक प्रॉफिट में आ चुके हैं और 16वें को भी प्रॉफिट में लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर में भी एक समय ऐसा था, जब उत्तर प्रदेश से बड़े पैमाने पर पलायन हो चुका था। हस्तशिल्प और निर्यात लगभग ठप थे और एमएसएमई सेक्टर बंदी की कगार पर खड़ा था। हमारी सरकार ने इसे एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) के रूप में आगे बढ़ाया। आज उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो एमएसएमई सेक्टर को ?5 लाख का सुरक्षा बीमा दे रहा है। आज प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स कार्यरत हैं और लगभग 3 करोड़ परिवार इसी सेक्टर पर निर्भर हैं। टेक्नोलॉजी, मार्केट, पैकेजिंग और डिजाइनिंग से जोड़कर ओडीओपी को एक ब्रांड बनाया गया है। परिणाम यह है कि प्रदेश का निर्यात ?84 हजार करोड़ से बढ़कर ?1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री जब विदेश जाते हैं, तो राष्ट्राध्यक्षों को ओडीओपी प्रोडक्ट्स उपहार में देते हैं।

एफपीओ की मजबूती से बदली यूपी की कृषि अर्थव्यवस्था

उत्तर प्रदेश के एफपीओज की ताकत को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में आयोजित इस ट्रेड शो में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन एफपीओ और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर का रहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश का क्रेडिट-डेबिट रेशियो (सीडी रेशियो) 9 वर्षों में 43 प्रतिशत से बढ़कर 61 प्रतिशत हो गया है। लक्ष्य है कि इसी साल 31 मार्च तक इसे 62 प्रतिशत और 2026-27 में 65 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लघु और सीमांत किसानों को सशक्त करने के लिए सहकारिता के माध्यम से ठोस कदम उठाए गए हैं। पहले किसानों को 11 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिलता था

शेष पृष्ठ 3 पर

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के आवास पर फायरिंग मामले का पांचवां आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई के जुहू में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के आवास पर हुई फायरिंग की घटना के सिलसिले में मुंबई पुलिस ने पांचवें आरोपित को गुरुवार को पुणे से गिरफ्तार किया है। पुलिस इस घटना में अभी भी फायरिंग करने वाला आरोपित फरार है, जिसकी गहन तलाश जारी है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर रविवार रात को आरोपितों छह राउंड फायरिंग की थी, जिसमें एक गोली जिम के शीशे पर लगी। फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ था। अब तक की छानबीन में पता चला है कि आरोपित का बिश्नोई गैंग से संबंध है और फायरिंग के लिए एक उन्नत देसी हथियार का इस्तेमाल किया था। जांच के दौरान ऐसे संकेत भी मिले हैं कि मुख्य शूटर के साथ घटनास्थल के पास गैंग के कई अन्य सदस्य भी मौजूद हो सकते हैं। इस मामले में पुलिस ने स्वप्निल बंदू सकट (23), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (19), समर्थ शिवशरण पोमाजी (19) और आदित्य ज्ञानेश्वर गायकी (19) को पहले ही गिरफ्तार किया था, जबकि आज पुणे से ही एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

राज्य सभा में उठा लापता बच्चों का मुद्दा

संदीप पाठक ने कहा- दिल्ली से हर दिन गायब हो रहे हैं 17 बच्चे

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संदीप कुमार पाठक ने गुरुवार को राज्य सभा में दिल्ली में बच्चों के अपहरण और लापता होने के बढ़ते मामलों को लेकर गंभीर चिंता जताई। शून्य काल के दौरान उन्होंने सदन का ध्यान इस ओर दिलाते हुए कहा कि राजधानी दिल्ली में हर दिन 17 बच्चे गायब हो रहे हैं। सांसद पाठक ने बताया कि दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में करीब 6,000 बच्चों का अपहरण हुआ है। उन्होंने कहा कि यह संख्या केवल एक साल की है, जबकि हर साल औसतन 6,000 से 7,000 बच्चे दिल्ली में लापता हो जाते हैं।

उन्होंने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो रहा है, जो किसी भी संवेदनशील समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। सांसद पाठक ने सवाल उठाया कि इतने बड़े पैमाने पर बच्चों के गायब होने के बावजूद केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियां ठोस कदम क्यों नहीं उठा पा रही हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद ने सरकार से मांग की कि बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत कानून, प्रभावी पुलिसिंग और त्वरित जांच प्रणाली लागू की जाए, ताकि अपहरण और मानव तस्करी जैसे अपराधों पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन गायब हुए बच्चों में 72 फीसदी से अधिक संख्या लड़कियों की है। उन्होंने कहा कि दूसरे बड़े शहरों के मुकाबले दिल्ली में लापता बच्चों की संख्या अधिक है। आआपा सांसद ने बड़े शहरों से इसकी तुलना करते हुए कहा कि मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता के मुकाबले दिल्ली में मिसिंग बच्चों की संख्या अधिक है। गायब हुए बच्चों में 40-50 प्रतिशत बच्चे 14 साल से कम उम्र के हैं।

सरकार विपक्ष को बोलने नहीं दे रही, इसलिए किया वॉकआउट : खरगे

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के राज्य सभा में भाषण के दौरान विपक्ष के वॉकआउट को उचित बताया।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को बोलने दिया, जबकि विपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखना चाहता था। सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही है, किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका के साथ हुए समझौते पर जवाब देने से बच रही है और बेरोजगारी, महंगाई तथा सामाजिक न्याय जैसे सवालों पर चर्चा से भी कतराती है। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि चार दिनों से लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि विपक्ष लोकतंत्र के हित में अपनी बात रखना चाहता था। विपक्षी दलों ने तय किया था कि यदि विपक्ष के नेता को बोलने दिया जाएगा तो सभी दल चर्चा में हिस्सा लेंगे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया। खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री से भी विपक्ष ने आग्रह किया था कि उन्हें दो मिनट बोलने का अवसर दिया जाए, जिससे स्थिति सामान्य हो सकती थी, लेकिन सरकार की मंशा विपक्ष को चुप कराने की थी। विपक्ष ने न तो हंगामा किया और न ही प्रधानमंत्री को बाधित किया, फिर भी उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

पलक्कड़ पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की

पलक्कड़ (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की है। पलक्कड़ मेडिकल कॉलेज के पास एक पिकअप वैन से 100 से अधिक जिलेटिन स्टिक के डिब्बे और 20 से ज्यादा डेटोनेटर के डिब्बे जब्त किए हैं। विस्फोटक ले जाने का तरीका इतना शातिराना था कि पुलिस भी दंग हुई। पलक्कड़ पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, यह जब्ती बुधवार देर रात की गई। खुफिया जानकारी मिली थी कि राज्य में विस्फोटकों की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। इसी आधार पर जब पुलिस ने एक पिकअप वैन को रोकने का इशारा किया, तब ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के बजाय स्पीड़ बढ़ दी। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर वैन को घेरा और तलाशी ली। पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है, जिसकी पहचान सेंथिल के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि उसने कोयंबटूर से डिब्बे लोड किए थे और उन्हें त्रिशूर में एक खदान में ले जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोटक को काले पत्थर की खदान के कामों में इस्तेमाल के लिए गुप्त रूप से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल विस्तृत जांच चल रही है।

मुझे अजित के साथ यात्रा करना था, लेकिन देरी के कारण मैं जा नहीं सका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि बीते सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण, वे जा नहीं सके। बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बताया कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है। धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं।

बिहार के कैमूर में जहरीले बीज खाने से आठ बच्चे बीमार, सभी खतरे से बाहर

पटना (एजेंसी)। बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदुरना गांव में तब अफरा-तफरी मच गई, जब खेलते समय जहरीले पौधे के बीज खाने से आठ बच्चे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना और परिजन बच्चों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव के पूर्वी तालाब के पास खेल रहे थे। तभी उन्होंने पास में उगे डीजल प्लांट के फल तोड़े और उनके बीज खा लिए। लगभग एक घंटे बाद बच्चों में उल्टी, चक्कर आना, मतली और बेचैनी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर परिजनों ने तुरंत उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर डॉक्टरों ने सभी बच्चों को भाभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बीमार बच्चों की पहचान लाडो कुमारी (5), ट्विंकल कुमारी (8), आशीर्वाद कुमार (7), कृष कुमार (8), अभिषेक कुमार (5), आदित्य कुमार (9), खुशी कुमारी (12) और अरुण कुमार (8) के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में सभी बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. त्रिभुवन नारायण ने बताया कि सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति टल गई। चिकित्सकों ने अभिभावकों को चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों को अज्ञात पौधों, फलों और बीजों से दूर रखें, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले कई जंगली पौधे अत्यधिक विषैले होते हैं। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में शूटर को हथियार मुहैया करने वाला पुणे से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को लगातार अहम सुराग मिल रहे हैं। इसी कड़ी में एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, इससे जांच में नया मोड़ आया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम आशाराम फसले है, इस पुणे से हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि आशाराम ने वारदात को अंजाम देने वाले शूटर को हथियार मुहैया कराया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। हालांकि, इस हमले को अंजाम देने वाला मुख्य शूटर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच की कई टीमें मुंबई के अलावा अन्य राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। आशंका हैं शूटर वारदात के बाद शहर छोड़कर फरार हो गया है। जांच में सामने आया है कि रोहित शेट्टी के घर पर हमला पूरी तरह से सुनियोजित था। आरोपियों ने कई दिनों तक उनके घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी। सही मौके का इंतजार करने के बाद फायरिंग की गई और शूटर स्कूटी से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में उसकी गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी पुणे से कैसे लाई गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी। कुछ आरोपियों का दावा है कि उन्हें टारगेट की जानकारी नहीं थी।

चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, मची चीख-पुकार सभी यात्री सुरक्षित

जाजपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जाजपुर जिले में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ। चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस बेपटरी हो गई। एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन डिरेल होते ही चीख-पुकार मच गई। यात्रियों में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 8 बजकर 51 मिनट पर चेन्नई से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन नंबर 22611 जखपुरा यार्ड से गुजर रही थी, तभी उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें एक एसी कोच और दो जनरल कोच शामिल हैं। उस वक्त ट्रेन की रफ्तार बहुत धीमी थी, इसलिए बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, प्रक्रिया और जातिगत गणना का खाका तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बहुप्रतीक्षित आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही तत्काल जाति जनगणना शुरू नहीं की जाएगी, बल्कि इसके लिए देशवासियों को दूसरे चरण का इंतजार करना होगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित विशिष्ट सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से ठीक पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के अनुसार, इस विशाल राष्ट्रीय कार्य को दो मुख्य हिस्सों में विभाजित किया गया है। योजना के मुताबिक, पूरे देश में जनसंख्या की वास्तविक गिनती का काम मुख्य रूप से फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी व बर्फीले राज्यों के दुर्गम इलाकों में यह प्रक्रिया सितंबर 2026 में ही शुरू कर दी जाएगी। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी गई थी, लेकिन कुछ वर्गों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए सरकार ने दोबारा तारीखों और प्रक्रिया को स्पष्ट करना आवश्यक समझा है।

जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) और उनकी गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण के लिए सरकार ने 22 जनवरी को 33 प्रश्नों की एक सूची अधिसूचित की है। इनमें घर के मुखिया का लिंग, मकान में इस्तेमाल की गई सामग्री, विवाहित जोड़ों की संख्या, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच और वाहनों के प्रकार जैसे विवरण शामिल होंगे। यह चरण इस साल 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच संपन्न होगा, जिसमें प्रत्येक राज्य अपनी सुविधानुसार 30 दिनों की अवधि तय करेंगे। खास बात यह है कि हाउसलिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने का विकल्प भी दिया जाएगा।

वहीं, जाति जनगणना का महत्वपूर्ण कार्य दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बावजूद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल का जाति जनगणना कराने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है और यह पिछड़ों, दलितों तथा अल्पसंख्यकों (पीडीए) के साथ धोखा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मौजूदा नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं रखा गया है। कांग्रेस ने भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जवाब में सरकार ने साफ किया है कि दूसरे चरण के दौरान ही जातिगत डेटा एकत्र किया जाएगा और इसके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी।

हिमाचल में पीएम मोदी की घोषणा पर सियासी घमासान, केंद्र पर भेदभाव के आरोप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून से हुई भारी तबाही के बाद केंद्र सरकार से मिलने वाली आपदा राहत को लेकर फिर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीते वर्ष 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं धर्मशाला पहुंचे थे और राज्य के लिए 1500 करोड़ रुपये के विशेष आपदा राहत पैकेज की घोषणा की थी। लेकिन लगभग चार महीने बीत जाने के बावजूद यह राशि अब तक हिमाचल प्रदेश को नहीं मिली है। इस देरी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलकर कहा कि मोदी सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि 1500 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दूर, राज्य को आपदा राहत के नाम पर 15 पैसे तक नहीं मिले हैं। मंत्री नेगी ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश ने सदी की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा झेली थी, जिसमें राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केंद्र सरकार की टीमों ने स्वयं हिमाचल आकर नुकसान का आकलन किया और रिपोर्ट में करीब 9300 करोड़ रुपये के नुकसान की पुष्टि भी की गई। इसके बावजूद, पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत केवल 2500 करोड़ रुपये की सहायता को ही मंजूरी दी गई। मंत्री नेगी का आरोप है कि इस स्वीकृत राशि का भी पूरा भुगतान अब तक नहीं किया गया है। वर्ष 2024 में केवल 600 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि हाल ही में फिर से 600 करोड़ रुपये देने की बात कही गई है। ऐसे में वर्ष 2026 में प्रवेश करने के बावजूद हिमाचल अभी भी 2023 की आपदा राहत का इंतजार कर रहा है। मंत्री नेगी ने सवाल उठाया कि जब उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों को आपदा राहत की पूरी राशि समय पर मिल सकती है, तो हिमाचल के साथ भेदभाव क्यों। उन्होंने इसे संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ बताते हुए सभी राज्यों के लिए समान व्यवहार की मांग की।

कृषि मंत्री पन्नीरसेल्वम के बिगड़े बोल- हिंदी वाले बेचते हैं पानी पूरी

-तमिलनाडु चुनाव में उत्तर-दक्षिण विवाद गहराया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भाषा और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है। डीएमके सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की विवादित टिप्पणी ने राज्य में उत्तर-दक्षिण विवाद को हवा दे दी है और 'हिंदी थोपने' बनाम द्विभाषा नीति की बहस को फिर तेज कर दिया है।

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, कि उत्तर भारत से आने वाले लोग केवल हिंदी जानने के कारण राज्य में सीमित रोजगार पाते हैं और उन्हें टेबल साफ करने, निर्माण मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करने पड़ते हैं। इसके उलट उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी के कारण राज्य के युवा विदेशों में अमेरिका और लंदन जैसे देशों में जाकर अच्छी नौकरियां और ऊंची आय हासिल कर रहे हैं।

मंत्री के इस विवादित बयान को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा ने इसे उत्तर भारतीय प्रवासियों का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राज्य में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही इंडिया ब्लॉक के नेताओं, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं ने बयान से बनाई दूरी

जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री के बयान से दूरी बनाने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी. आर. बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि डीएमके और द्रविड़ आंदोलन की शुरुआत से ही हिंदी थोपने के विरोध में रही है और पार्टी का रुख किसी समुदाय या क्षेत्र विशेष के खिलाफ नहीं है।

सपा सांसद बोले- उत्तर भारत का अपमान

इस बयान पर तमिलनाडु के बाहर से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने टिप्पणी को घटिया बताते हुए कहा कि यह पूरे उत्तर भारत का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत ने देश को आधे से अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और इस तरह के बयान क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ाते हैं।

असम के सीएम सरमा व परिवार ने 12,000 बीघा जमीन पर किया कब्जा

-गौरव गोगोई ने लगाए आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार- उन्हें कोर्ट जाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार ने पूरे राज्य में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इन आरोपों को लेकर सीएम सरमा ने कहा है कि वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। वहीं, बीजेपी ने रॉबर्ट वाड्रा का जिक्र किया और सीएम पर लगे आरोपों का खंडन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने दावा किया कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इसी भूमि घोटाले को छिपाने के लिए उनके कथित पाकिस्तानी संबंधों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जांच की है और इससे कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सीएम सरमा और उनके परिवार ने पूरे असम में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह आंकड़ा अंतिम नहीं है, क्योंकि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है।

वहीं सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके बारे में दिए गए झूठे, मनगढ़ंत और मानहानिकारक बयानों के लिए 9 फरवरी को जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल, गौरव गोगोई और देबब्रत सैकिया के खिलाफ दीवानी और फौजदारी मानहानि कार्यवाही शुरू करेंगे। इन आरोपों का जवाब देते हुए सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रवक्ता रंजीब कुमार सरमा ने कहा कि गोगोई के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके इस बयान में क्या सच्चाई है? क्या इतनी बड़ी जमीन रखना संभव है, जबकि भारतीय कानूनों के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 50 बीघा से ज्यादा जमीन नहीं रख सकता है? यह जमीन सीमा अधिनियम के कारण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर गौरव गोगोई के पास कोई जानकारी है, तो उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, जैसा कि लोग रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कोर्ट गए थे। बोफोर्स से लेकर वाड्रा मामलों तक, कई मुद्दों पर लोगों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। अगर आपके पास दस्तावेज हैं, तो उन्हें उजागर करने के लिए कोर्ट जाएं। बीजेपी नेता ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली भ्रष्टाचार को उजागर करने का मंच प्रदान करती है। गौरव गोगोई ऐसा इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि आरोप झूठे हैं। वह केवल अपने निराधार आरोपों से सनसनी पैदा करना चाहते हैं, और कुछ नहीं।

हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा हाल ही में गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों का जिक्र करने पर गोगोई ने कहा कि उन्होंने यह पिछले साल 10 सितंबर को क्यों नहीं किया? वह इन पांच महीनों से सो रहे थे और अचानक उन्हें मेरे पाकिस्तानी संबंधों की याद आ गई। सीएम सरमा ने पहले भी घोषणा की थी कि वह 10 सितंबर 2025 तक गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों से जुड़े सभी सबूत सार्वजनिक करेंगे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि उन्हें पता है कि हम उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार एवं भूमि हड़पने के मामलों की फाइल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली धमाका मामला: अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई दो अलग-अलग प्राथमिकियों (एफआईआर) के आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी थी।

इस पूरे मामले की जड़ें सुरक्षा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील घटनाक्रम से जुड़ी हैं। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े की जांच का सिलसिला लाल किले के समीप हुए एक धमाके के बाद शुरू हुआ था। उस घटना के बाद जब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संचालन में कई संदिग्ध अनियमितताएं और दस्तावेजी जालसाजी के तथ्य सामने आए। इसी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर गहन तफ्तीश शुरू की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय है और उसने वित्तीय हेरफेर के कोण से अपनी जांच पहले ही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर ही दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के उपरांत जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहाँ से पुलिस को चार दिन की रिमांड मिली है। इस अवधि के दौरान पुलिस सिद्दीकी से यूनिवर्सिटी के फंड्स, फर्जी दस्तावेजों और अन्य संदिग्ध गतिविधियों के बारे में विस्तार से पूछताछ करेगी।

यह यूनिवर्सिटी पहली बार तब चर्चा में आई थी जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर मुजम्मिल शकील को भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि शकील इसी यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में उसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। इसी कड़ी ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान यूनिवर्सिटी के प्रबंधन की ओर खींचा, जिसके बाद अब चेयरमैन की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान इस मामले में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने मजाक में कही थी बात, बिट्टू ने तो किया है कांग्रेस के साथ विश्वासघात

-कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा- बीजेपी ने रवनीत बिट्टू को झाड़ पर चढ़ा दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिया बयान पर विवाद जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि बात हंसी मजाक में कही गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि बिट्टू ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात तो किया ही है। बुधवार को संसद परिसर में राहुल गांधी ने बिट्टू को गद्दार कह दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी साफ दिल के हैं। उन्होंने यह हंसी मजाक में कह दिया, लेकिन उसको हवा दी बीजेपी ने और रवनीत बिट्टू को भड़का दिया। इसे कहते हैं कि झाड़ पर चढ़ाना। ऐसा नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी ने लाइट मूड में कहा था, मैंने देखा था। राज ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि चिढ़ने की क्या बात है। कांग्रेस ने ही तो इनको नेता बनाया। इनके पूरे खानदान को नेता बनाया। तो विश्वासघात किया भी है, लेकिन जिस टोन में राहुल गांधी ने कहा उसमें कुछ गलत नहीं था।

बता दें संसद परिसर में सांसदों का प्रदर्शन चल रहा था। वहां, राहुल गांधी भी मौजूद थे। उस दौरान बिट्टू सामने से आ रहे थे। उन्हें देखकर राहुल गांधी ने कहा, खिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आओगे। इस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया, ये देश के दुश्मन हैं। राहुल गांधी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री बिट्टू से हाथ मिलाने का प्रयास किया, हालांकि बीजेपी नेता ने हाथ नहीं मिलाया और सीधे संसद भवन के अंदर चले गए।

बिट्टू ने बाद में राहुल गांधी को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का बिगड़ा हुआ बेटा करार दिया। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह बात कई अन्य सांसदों से क्यों नहीं कही, बल्कि केवल एक सिख से ही क्यों कही? बिट्टू ने एक वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुद को सबसे बड़ा देशभक्त मानते हैं क्योंकि उनके पिता राजीव गांधी ने अपना जीवन कुर्बान किया था। मैंने पार्टी में यह लड़ाई लड़ी कि मेरे दादा, बेअंत सिंह गांधी परिवार द्वारा लगाई गई आग के कारण पंजाब में शहीद हुए।

पाकिस्तान में छपे भारतीय नकली नोट नेपाल के रास्ते बिहार में खपा रहे तस्कर

-नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की, इसे साधारण तौर पर पहचानना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में छपे भारतीय नोट बड़े पैमाने पर नेपाल के रास्ते बिहार पहुंच रहे हैं। नेपाल सीमा पार कराकर इन नोटों को बिहार के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है। छोटे नोट होने के कारण आसानी से मार्केट में खपाया जा रहा है। पाकिस्तानी एजेंट नेपालियों के साथ बिहार व उत्तर प्रदेश तस्करों के जरिए नकली नोट की खेप भेज रहे हैं। बिहार भेजे जा रहे नकली नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की मिली है। इसे साधारण तौर पर पकड़ना मुश्किल है। इसका फायदा उठाकर बाजारों में नकली नोट खपाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार एसटीएफ ने 30 जनवरी को मोतिहारी के हरैया थाना इलाके में नेपाल के बागमती प्रदेश के नकली नोट तस्कर तिलक बहादुर और बारा जिला के गमरगावा के रहने वाले सरोज कुमार को गिरफ्तार करने के बाद इसका खुलासा किया था। दोनों तस्करों के पास से 18 हजार 500 रुपए के जाली भारतीय नोट जब्त किए गए थे। पूछताछ के बाद मोतिहारी पुलिस ने सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज से छह व मधुबनी के एक अन्य नकली नोट तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से नकली नोट छपाई वाले कागज भी मिले।

बता दें इससे पहले 29 जनवरी को बिहार एसटीएफ और एसएसबी की टीम ने सीमा पर मधुबनी के हरलाखी में स्थानीय नकली नोट तस्कर मुकेश महतो व सिलकर पंडित को 34 हजार 600 रुपए के जाली भारतीय नोट के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 173 पीस 200 रुपए के नकली नोट मिले थे। नोट की क्वालिटी व छपाई बेहतरीन थी कि उसे पहचान पाना आसान नहीं था। मधुबनी के नो मेन्स लैंड में मंगलवार को 14 लाख का जाली भारतीय नोट जब्त किए गए हैं। दो तस्करों को एसएसबी ने पकड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक लगातार नेपाल बॉर्डर इलाके से भारत में नकली नोट की खेप पहुंचने के बाद बिहार एसटीएफ ने मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी आदि जिले की पुलिस को अलर्ट कर दिया है। तिरहुत रेंज के डीआईजी ने भी इसको लेकर वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और शिवहर जिले की पुलिस को सतर्क रहने और सूचना जुटाने का निर्देश दिया है। बड़े पैमाने पर नकली नोट और मादक पदार्थ की खेप नेपाल बॉर्डर से बिहार में भेजे जाने का सुराग मिलने के बाद बिहार एसटीएफ की विशेष टीम नेपाल बॉर्डर इलाके व आसपास के जिलों में सक्रिय हो गई है।

मोतिहारी और मधुबनी में गिरफ्तार हुए नकली नोट तस्करों के पास से विशेष टीम ने 13 मोबाइल जब्त किए हैं। इन मोबाइल को खंगालने पर टीम को नकली नोट के बड़े नेटवर्क का सुराग मिला है। दर्जनों संदिग्धों की सूची बनाकर बिहार एसटीएफ कार्रवाई में जुटी है। नकली नोट के तस्करों के मोबाइल में नेपाल से लेकर बिहार और यूपी तक के नोट धंधेबाजों के सुराग मिलने की बात बताई जा रही है।

किसानों को अब 5 मिनट में ई-केसीसी से ऋण: सीएम योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिससे किसानों पर बोझ पड़ता था और बैंक भी घाटे में थे, क्योंकि उनका पैसा डूब जाता था। हमारी सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लघु र सीमांत किसानों को 5 से 6 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाए, शेष सहयोग सरकार करेगी। जब किसानों को आसान ब्याज दर और सरल किस्तों पर ऋण मिलेगा तो वे खेती में निवेश करेंगे, तकनीक अपनाएंगे और उनकी आय में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होगी।

अनलिमिटेड पोटेंशियल को साकार कर रहा यूपी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश ही नहीं, दुनिया का पहला राज्य है, जहां 86 प्रतिशत भूमि सिंचित है। 16 लाख ट्यूबवेल को मुफ्त बिजली दी जा रही है, नहरों से सिंचाई मुफ्त है और एक लाख किसानों को सोलर पैनल दिए जा चुके हैं। एक समय उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन आज वही उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला राज्य बन चुका है। 10 वर्ष पहले देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान मात्र 8 प्रतिशत था, जबकि आज यह बढ़कर 9.5 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। 2016 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगभग 11.7 लाख करोड़ रुपये की थी, जो इस वित्तीय वर्ष में 31 मार्च तक बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचेगी। यह परिवर्तन अपने आप में एक बड़ा ब्रेकथ्रू है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल रेवेन्यू सरप्लस स्टेट ही नहीं है, बल्कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन का उदाहरण बन चुका है। 2016 में यूपी में प्रति व्यक्ति आय ?43 हजार थी, जो आज बढ़कर ?1.20 लाख हो चुकी है। हमारा फिस्कल डेफिसिट 3 प्रतिशत से भी कम है। कई वर्षों से प्रदेश ने कोई नया टैक्स नहीं लगाया है। देश में डीजल-पेट्रोल सबसे कम दाम पर यूपी में मिलता है। कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत से अधिक हो गई है। देश की आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा यूपी में निवास करता है, लेकिन कृषि योग्य भूमि मात्र 11 प्रतिशत है। इसके बावजूद हमारा अन्नदाता किसान भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 21 फीसदी उत्पादन कर रहा है। एथेनॉल व चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक है। वर्ष 2000 से 2017 के बीच यानी 17 सालों में प्रदेश के गन्ना किसानों को मात्र 2 लाख 14 हजार करोड़ का भुगतान किया गया, जबकि हमने पिछले नौ वर्षों में ही किसानों के खाते में 3 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया है, यानी 86 हजार करोड़ ज्यादा। आज यूपी नंबर 8 से उठकर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है।

ऋण वितरण शर्तों को सरल बनाएं बैंक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैंकरों से अपील करते हुए कहा कि वे ऋण वितरण में शर्तों को यथासंभव सरल करें और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किसानों, एफपीओ, एमएसएमई और सहकारिता से जुड़े लोगों को सहयोग दें। सिर्फ नीति बनाना पर्याप्त नहीं है, जमीन पर उसका असर दिखना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि छोटे-छोटे समूह बनाकर लक्षित प्रशिक्षण दिया जाए, मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जाएं और उन्हें सीधे उन लोगों के बीच भेजा जाए, जो एफपीओ, एमएसएमई, सर्विस सेक्टर, लखपति दीदी के लिए प्रस्तावित शी-मार्ट मॉडल या सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आगे बढ़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैंक, नाबार्ड और अन्य वित्तीय संस्थान अगर ट्रेनिंग और क्रेडिट को साथ लेकर चलें, तो प्रदेश में रोजगार, आय और आत्मनिर्भरता की रफ्तार कई गुना तेज हो सकती है। तकनीक, ट्रेनिंग और वैल्यू एडिशन के जरिए उत्तर प्रदेश अपने अनलिमिटेड पोटेंशियल को साकार कर रहा है और यही प्रयास प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, नाबार्ड के महाप्रबंधक पंकज कुमार और रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय महाप्रबंधक पंकज कुमार उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I SHABNAM D/O FAIZAN EX. Wife of MOHD. DANISH R/O A-29, GALI NO-2, SURAT VIHAR, MUBARAK PUR DABAS, NORTH WEST DELHI, DELHI-110081 declare that I got divorce from my husband vide Court Decree No. HMA No. 209/2021 dated 18-09-2021. Further I have changed the name of my minor son namely MOHD. ZAROON aged 4 years and he shall hereafter be known as MOHD. YUSUF which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sumer Singh S/O Sareli Singh R/O C-59, BHAGYA VIHAR, Rani Khera, North West Delhi, Delhi 110081 declare that name of mine has been wrongly written as SUMRE SINGH in my minor daughter namely PRIYA aged 16 years in her 10th class educational document, The actual name of mine is SUMER SINGH, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that our clients MD ALI JAAN SON OF BANDHA KHA RESIDENT OF F-2/408, SANGAM VIHAR, NEW DELHI-110080, presently residing at New Delhi, Have served all their relations with their son namely SABIR ALI and his wife SHEHNAJ as she is not obedient and out of control of our clients and their other family members and thus our clients hereby debars their aforesaid son and daughter in Law, from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with at his/her own risk and consequences and neither our clients nor any of their family members shall be responsible for any of his/her acts, deeds and things in any manner.

Mohd Tahir Qidwai Advocate
CH. No.888, Saket Court,
New Delhi-110017.

कर्ज है, बच्चे कामयाब नहीं- बच्चों को सब्जी लाने के लिए भेजा, सुसाइड नोट में लिखीं ये बातें, दंपती ने दी जान

दिल्ली। दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में बृहस्पतिवार देर रात आर्थिक तंगी से परेशान एक दंपती ने फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों का शव अलग अलग कमरों में लटका मिला। मृतकों की शिनाख्त अजय कुमार दीक्षित (55) और रीता दीक्षित (50) के रूप में हुई। सुसाइड नोट में बच्चों के कामयाब नहीं होने और कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी करने की बात लिखी है। शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों डिप्रेशन में थे। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात 12.05 बजे ज्योति नगर थाना पुलिस को वेस्ट ज्योति नगर के एक फ्लैट में दंपती के खुदकुशी की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस सी 41ए, चौथी मंजिल, वेस्ट ज्योति नगर पहुंची। पुलिस ने देखा कि एक कमरे में अजय कुमार फंदे से लटके हुए थे, जबकि दूसरे कमरे में रीता चुन्नी की मदद से फंदे पर लटकी हुई थी। जांच में पता चला कि अजय अपनी पत्नी और दो बेटों 29 साल के भास्कर और 25 साल के शरद के साथ यहां किराए के मकान में रहते थे। वह सोनिया विहार साढ़े तीन पुश्ता पर मेडिकल स्टोर चलाते थे। भास्कर पहले किसी निजी कंपनी में काम करते थे, लेकिन पिछले काफी समय से नौकरी छोड़ दी थी। वह पिता के साथ मेडिकल स्टोर पर ही बैठते थे। वहीं शरद एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुसाइड नोट में अपनी मौत के लिए दोनों ने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। अपने लिए गए कर्ज और लगातार आर्थिक अस्थिरता से निपटने में अपनी असमर्थता का भी जिक्र किया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि उनके सुसाइड नोट की जांच की जा रही है। छानबीन में पता चला कि अजय पहले छोटी फैक्टरी चलाते थे, जो बंद हो गई। आर्थिक संकट में होने की वजह से वेस्ट ज्योति नगर का मकान बेचकर सात आठ माह पहले किराए के मकान में रहने लगे। भजनपुरा और सोनिया विहार में मेडिकल स्टोर खोला जिसके लिए भी कर्ज लिया।

श्री गुरु रविदास महाराज जी 649वें प्रकाश पर्व के मौके पर प्रदेश स्तरीय समागम

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में श्री गुरु रविदास महाराज जी का 650वां प्रकाश पर्व ऐतिहासिक और भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 फरवरी से पूरे वर्ष चलने वाले समागमों की श्रृंखला आरंभ की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समागम समाज को एकजुट करने, सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने और युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चेयरमैन एससी कमिशन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी ने अपने विचारों और कर्मों से समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और समानता आधारित समाज की नींव रखी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरु जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, समावेशन और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, एसडीएम मुकेरियां ओएशी मंडल, एसडीएम ग ?शंकर संजीव कुमार, एसडीएम दसूहा कंवलजीत सिंह, एसडीएम टांडा लवप्रीत सिंह, सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह के अलावा अन्य सिविल व पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

यह सामान्य सूचना के लिए है कि मैं श्रीकृष्ण सिंह, S/O वैनीराम, ऋह मकान संख्या-B-1, प्लॉट संख्या-14, तारा नगर, NSIT द्वारका, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110078, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे तथा मेरी पत्नी के नाम मेरी नाबालिग पुत्री, अर्थात् अंजली, आयु 16 वर्ष, की 10वीं कक्षा की शैक्षिक दस्तावेजों में गलत रूप से किशन और मंजू लिखे गए हैं। मेरे तथा मेरी पत्नी के वास्तविक नाम श्रीकृष्ण सिंह और मंजू कुमारी हैं, जिन्हें तदनुसार संशोधित किया जा सकता है।

NAME CHANGE

I, Patil Ashvini Sanjay W/O Amol Patil R/O C-804, Shree Vardhman Mantra, Sec 67, Gurgaon, Haryana-122102, Have Changed My Name to Ashvini Amol Patil for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, Nimi Kataria D/O Desh Raj Choudhary W/O Manjeet Kataria R/O Flat No 12a04, Tower-6, Palm Gardens Sec 83, Gurgaon, Haryana - 122004 Have Changed My Name to Nimmi Kataria for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

IT is informed to the General Public that that my clientess Mrs. Malti Manjhi W/o Sh. Samir Manjhi R/o C-810, 8th Floor, Block-C, Pocket A, Kalkaji Extension, New Delhi-110019 has severed all her relations with her sons named Sanjay Manjhi (44 years), Nayan Tara Manjhi (38 years), Sujal Manjhi (18 years) Rohan Manjhi (12 Years) and Sandeep Manjhi (38 years Unmarried) and my clientess also debar them from her all movable and immovable properties. My clientess shall not be responsible for any acts, deeds and things of her above named family members in any manner whatsoever, and whosoever deals with them shall be responsible on his/her own.

JYOTSNA BHALLA ADVOCATE
Chamber No.246
Lawyers Chamber Block,
Saket Courts Complex,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, Mohammad Altamash Ansari S/o Masiullah Ansari R/o C-1/14-B, 3rd Floor, Jasaola Village, Jamia Nagar, Delhi-110025 have changed my name to Mohd Altamash Ansari.

NAME CHANGE

I, Uzar Ahmed S/o Mohd Sayeed R/o 2447, Chota Rang Mahal, Naya Bazar, Tilak Bazar, Delhi-110006 have changed my name to Uzair Ahmed.

NAME CHANGE

I, Mohd Subhani S/o Bone Khan R/o H.No.95, Gali No.25, Block-H, Mustfabad Extn., Delhi-110094 have changed my name to Subhani.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sumit Kumar Kapasiya** is the owner of land admeasuring 114 Sq. yards, out of old khasra no. 1170, situated at Mihir Bhoj colony, Naydar Ganj kasba & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. vide Gift Deed dated 17.10.2023, Registered as document doc. no. 42732, book no.1, vol. no. 25016, page no. 83 to 106, on 17.10.2023, SRO-Dadri-GBN. and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that I/We Bajinder Pal Singh & Tanjeet Singh am/are filing application in L&DO/NDMC for substitution/mutation of the property no. 81, Shanker Market, Connaught Circus, New Delhi, in the name of S. Sardar Singh, on the grounds of Inheritance. If there are any objections/claims from the general public on this application, the sarne shall be communicated to L&DO/ NDMC with supporting documents through registered post or by visiting L&DO / NDMC or through an email at so.estateii@ndmc.gov.in, within 30 days of publication of this notice.

Tanjeet Singh
Address: C-7a Vishnu Garden
Phone: 9711760645

NAME CHANGE

It is for general information that I, SOBHAN HALDAR S/O SUBHANKAR HALDAR resident of KH NO-14/3 Ground Floor, Gali No-1 Block-E, Near Manav Bhawna Public School, Nathu Colony Nathupura, Burari, PO; Burari, Dist: North Delhi, Delhi-110084 declare that name of my father has been wrongly written as SHUBHANKAR HALDAR in my 10th class educational documents the actual name of my father is SUBHANKAR HALDAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Roshan Kumar S/o Lakhan Jha R/o H.no. D-230, Street no -7, Near Gori Shankar Mandir Mukund Vihar, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi - 110094 have changed the name of my Minor Son Reyansh kumar jha aged 7 years and he shall hereafter be known as Agastya Jha

NAME CHANGE

I, AATIKA ABDUL HANNAN ABDUL BARI / AATIKAABDUL HANNAN SIDDIQUI W/O MOHAMMAD SARWAR ALAM KHAN residing at BLOCK B, FLAT-22, JASWANT APARTMENT, TIKONA PARK OKHLA, SOUTH EAST DELHI -110025 have changed my changed my name to AATIKA ABDUL HANNAN SIDDIQUI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MAHAMAD SARWAR ALAM KHAN S/O MOHAMMAD ZAKARIYA KHAN residing at BLOCK B, FLAT-22, JASWANT APARTMENT, TIKONA PARK OKHLA, SOUTH EAST DELHI - 110025 have changed my changed my name to MOHAMMAD SARWAR ALAM KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I SUNDUS W/O MOHD SAIF RESIDING AT HOUSE NO 407 FIRST FLOOR GALI PAHAR WALI CHATTA LAL MIAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SUNDUS TO SUNDUS QURESHI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MOHIDDIN S/O QAYAMUDDIN RESIDING AT HOUSE NO 407 FIRST FLOOR GALI PAHAR WALI CHATTA LAL MIAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHIDDIN TO MOHIUDDIN QURESHI ALL FUTURE PURPOSE.

Public Notice

It is for general information that I, ANISHA BANO W/O ABDUL SALIM D/O MOHD HUSSAIN residing at A-679, BLOCK-A, J.J. COLONY, PHASE-II, NANGLOI, DELHI,110041, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as SHEKH ANISHABIBI and ABDUL SALAAM in my Aadhar Card (Aadhar Number. 7567 3462 7058). The actual name of mine and my husband are ANISHA BANO and ABDUL SALIM, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Savleen Chadha W/o Bhupin Singh Chadha R/o 38/72 Punjabi Bagh (west) New Delhi 110026 have changed my name to Savleen Kaur Chadha for all future purposes.

NAME CHANGE

I Jaspal Singh S/o Late Attar Singh Chadha R/o 38/72 Punjabi Bagh (west),New Delhi 110026 have changed my name to Jaspal Singh Chadha for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD AFZAL KHAN S/O MOHAMMAD EKRAM KHAN RESIDING AT KH NO -27/20,FL-2, GALI NO 6,NEAR AISA MASJID ,SANGAM VIHAR , WAZIRABAD, NEW DELHI -110084 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMAD AFZAL KHAN TO MD AFZAL KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I Mohamd sameer S/o Mohamd Aslam R/o HOUSE NO - D-416/417 , 1ST FLOOR , 35 FOOT ROAD BLOCK-D , MEER VIHAR , NEAR RANI KHERA DELHI , NORTH WEST DELHI , DELHI-110081 have changed my name to MOHD SAMEER S/o MOHD ASLAM for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD EKRAM KHAN S/O MD MUMTAZ KHAN RESIDING AT KH NO -27/20,FL-2, GALI NO 6,NEAR AISA MASJID ,SANGAM VIHAR , WAZIRABAD, NEW DELHI -110084 HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHAMMAD EKRAM KHAN TO MD EKRAM KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, JC-583181P, Rank-SUB CLK Name-PRASANTH K residing at VILL-VELINALLOOR, PO-CHERIYAVELINALLOOR, TEHSIL-KOTTARAKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-691516, have changed my mother's name from INDIRA AMMA to B INDIRABAI AMMA for all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-13772926F, Rank-NK Name-RAVI SHARMA residing at VILL-DARUIE, PO-SARNA, DIST-SAMBA, JAMMU AND KASHMIR-184121, have changed my mother's name from KAMLA DEVI to KAMLO DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I SOREN KUMAR MANDAL S/O SURAJ R/O 3760, JJ COLONY, BLOCK-E, BAWANA, DELII-110039, declare that name of mine has been wrongly written as BABU SHEK in my aadhaar card No. 8308 8925 3617 and Voter ID Card No. NEJ3204236. The actual name of mine is SOREN KUMAR MANDAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MOHD SAHIL KHAN S/O MOHD AHMAD R/O R-243/3, JOGA BAI EXTN, NEAR AL TAQWA MASJID, BATLA HOUSE, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD SAHIL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, JC-707600X, Rank-SUB Name-UTTAM METYA residing at VILL-BOLURI, PO-SUPAPURSURI, TEHSIL-GHATAL, DIST-PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL-721260, have changed my mother's name from MADHASI METYA to MADHABI METYA for all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MOHD KASIM S/O MOHAMMAD PARVEZ R/O S- 33/1 MAIN ROAD BRAHMPURI JAFFRABAD DELHI- 110053, I have changed my name to MOHAMMAD KASIM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I DAYA SHANKAR S/O RAJ MANI PANDEY R/O H.NO S-212 BHIM BASTI JONAPUR DELHI-110047, I have changed my name to DAYA SHANKAR PANDEY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ANAM W/O MD ASIF SAIFI R/O , X- 383 J J COLONY CAMP NO -1 NANGLOI DELHI-110041, I have changed my name to ANAM SAIFI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SAVITA RANI W/O ROHIT KUMAR R/O E-9 G/F GALI NO -24 POLE NO - 38 SADH NAGAR PALAM VILLAGE DELHI-110045,I have changed my name to SAVITA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I FARHA W/O INTIKHAB ALI R/O 322 OLD SUBZI MANDI KABIR BASTI MALKA GANJ DELHI-110007, I have changed my name to FARHA KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I CHHOTU KUMAR SINGH S/O NILAY NIRUPAM R/O C-654/A 2ND FLOOR FLAT-D JVTS GARDEN CHHATARPUR NEW DELHI SOUTH WEST DELHI-110074 HAVE CHANGED MY NAME TO ABHISHEK ADITYA

NAME CHANGE

I, ASHA, is legally mother of Army No. 2824229L, Rank – Sep, Name – KORDE HARI TULSHIRAM, presently residing at Vill – Rui, Post – Sukhapuri, Teh – Ambad, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431205, have changed my name from ASHA to ASHA TULSHIRAM KORDE and my date of birth from 01/01/1983 to 01/01/1981 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KORDE TULSHIRAM, is legally father of Army No. 2824229L, Rank – Sep, Name – KORDE HARI TULSHIRAM, presently residing at Vill – Rui, Post – Sukhapuri, Teh – Ambad, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431205, have changed my name from KORDE TULSHIRAM to TULSHIRAM NIVRUTTI KORDE and my date of birth from 01/01/1974 to 01/01/1976 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, LAXMIBAI, is legally mother of Army No. 2824222F, Rank – Sep, Name – TOMPE DNYANESHWAR ANNA, presently residing at Vill– Chandai Eko, Post – Chandai Eko, Teh – Bhokardan, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431213, have changed my name from LAXMIBAI to LAXMIBAI ANNA TOMPE for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANNA, is legally father of Army No. 2824222F, Rank – Sep, Name – TOMPE DNYANESHWAR ANNA, presently residing at Vill – Chandai Eko, Post – Chandai Eko, Teh – Bhokardan, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431213, have changed my name from TOMPE ANNA to TOMPE ANNA KISAN for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Pooja Upadhyay W/O Sonu R/O -217 Gali No -1, Giri Market, Loni PO: Loni , Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed the name of my minor daughter Dolshy aged 16 years and she shall hereafter be known as Megha Upadhyay

NAME CHANGE

I hitherto known as PINKY SAHA W/O CHIRANJIB SENGUPTA R/O C-15, 1st Floor, Hauz Khas, New Delhi, Delhi-110016 have changed my name and shall hereafter be known as MANIKANKANA SENGUPTA.

NAME CHANGE

I, ATUL KUMAR GUPTA S/O ASHOK KUMAR GUPTA R/O A9/1407, Jaypee Klasic, Near Jaypee Hospital, Sector-134, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed the name of my minor Daughter MEGAN GUPTA aged 06 Years and she shall hereafter be known as MEGAIN GUPTA.

NAME CHANGE

I, Baleshwari W/O Darshan R/O-42, Sharifabad Rajpur, Asalatpur Farakh Nagar, Ghaziabad, Farrukh Nagar, Uttar Pradesh -201003, have changed my name and shall hereafter be known as Balasari Devi

NAME CHANGE

I, MOHD. RAJJAK S/o MOHD. ISMAIL R/o House Number-120, Pahari Gali, Arthala, Mohan Nagar, Po: Mohan Nagar, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201007, have changed my name and shall hereafter be known as RAJJAK.

NAME CHANGE

I hitherto known as MANOJ S/O S. L. GUPTA R/O 189/A, Arjun Nagar, Safdarjung Enclave, South West Delhi, Delhi-110029, have changed my mame and shall hereafter be known as MANOJ KUMAR GUPTA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAHUL KUMAR SINGH RAWAT S/O PREM SINGH RAWAT R/O A-9, BLOCK-A, DDA FLATS, BINDA PUR, WEST DELHI, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as RAHUL KUMAR SINGH.

NAME CHANGE

I Sonu tomar S/O Budh ram R/O T-234 General market Pahar ganj , delhi -110055 changed my name to SONU

NAME CHANGE

I Mohd Khursid S/O Noor Mohd R/O - 6767/A 1st Floor Nooruddin Park Beri wala Bagh Azad Mark Delhi 110006 Changed my name to MOHD KHURSEED.

NAME CHANGE

I Rubina Begum W/O Mohd Khurseed R/O - 6767/ A 1st Floor Nooruddin park beri wala bagh Azad mark Delhi 110006 changed my name to ROBINA .

NAME CHANGE

I Hasin khan S/O Wahid R/O V.P.O Rewasan Teh Indri Distt Nuh Mehwat Haryana 122103 Changed my name to HASIN MUHMMAD .

NAME CHANGE

I hitherto known as NOOR SABA W/o MOHD RAFIQ , Permanent R/o Ward No. - 2 Village Piparpati Navada Mahishi Saharsa Bihar - 852216 and Presently Residing at H.No. C- 169, Gali No. - 10, Near Kadari Maszid, Shastri Park, North East, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as RAHISHA BEGUM

NAME CHANGE

I hitherto known as SACHIN PRASAD BHARTIYA alias SACHIN PRASAD S/o RAM DULAR R/o C-320, Shahid Sukhdev Nagar, Industrial Area, Wazirpur, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi - 110052 have changed my name and shall hereafter be known as SACHIN PRASAD BHARTIYA.

NAME CHANGE

I, NEETI D/O ANIL ARORA residing at H NO-10 ROAD NO-78, PUNJABI BAGH WEST DELHI-110026 have changed my name to NEETI ARORA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Arif S/O Mahtab R/O E-338, Gali No-11, E bLOCK Shastri Park, North West Delhi - 110053 Have changed my name to Mohammad Arif for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rachana W/O Sunil Chaturvedi R/O Plot No. 3/447, Upper Ground Floor (UGF) Sector- 3, Vasudhara, Ghaziabad, UP- 201012 Have changed my name to Rachana Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DHARMAPPA KB Father of No.6503402W Rank-SEP Name-SADANANDA D residing at P VILL-KALLUKOPPA, PO-BHEEMANAKERE, TEHSIL-HOSANAGARA, DIST-SHIMOGA, KARNATAKA-577418, have changed my name from DHARMAPPA KB to DHARMAPPA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/09/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, LALITHAMMA Mother of No.6503402W Rank-SEP Name-SADANANDA D residing at P VILL-KALLUKOPPA, PO-BHEEMANAKERE, TEHSIL-HOSANAGARA, DIST-SHIMOGA, KARNATAKA-577418, have changed my name from LALITHAMMA to LALITHA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/05/1972 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 Vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SHUEB DANISH S/O MOHAMMAD ASLAM residing at C-176, SECOND FLOOR, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2, DELHI-110025 have changed my changed my name to SHOAIB DANISH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, GULISTA W/O MOHD ASLAM residing at C-176, SECOND FLOOR, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2, DELHI-110025 have changed my changed my name to GULISTAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I Vandana legally mother of Army no 2805106K, Rank - Hav, Name - Kalekar Ajit Bhikaji, presently residing At - Karanjani, Post - Karanjani, Teh - Dapoli, Dist. - Ratnagiri, Pin - 415712, State - Maharashtra have changed my name from Vandana to Vandana Bhikaji Kalekar and date of birth 25/7/1955 to 01/06/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Reshmi legally wife of Army no 2805106K, Rank - Hav, Name - Kalekar Ajit Bhikaji, presently residing At - Karanjani, Post - Karanjani, Teh - Dapoli, Dist. - Ratnagiri, Pin - 415712, State - Maharashtra have changed my name from Reshmi to Reshmi Ajit Kalekar for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Sangita legally mother of Army no. 2824487L, Rank - Sep, Name - Shinde Rahul Navnath presently residing at - Sandave, Post - Sandave, Teh- Nagar, Dist. - AhilyaNagar, Pin - 414201, State - Maharashtra have changed my name Sangita to Sangita Navnath Shinde for all future purposes. Vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I VARSHA legally mother of Army no - 2824675M Rank - Sep, Name - Darkunde Aniket Shivaji, presently residing At - Maka, Post- Maka, Teh - Nevasa, Dist - AhilyaNagar, State- Maharashtra Pin - 414501 have changed my name VARSHA to VARSHA SHIVAJI DARKUNDE for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SINDHU legally mother of Army no - 2824553H, Rank - Sep, Name - Palve Pavan Jagadish, Presently Residing At - Mehekari Post- Mehekari, Teh - Nagar, Dist - AhilyaNagar, State- Maharashtra, Pin - 414002 have changed my name SINDHU TO SINDHU JAGDISH PALVE for all future purposes. Vide affidavit Dated 05/02/26 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I VIPIN KUMAR RAJPAL S/o KISHAN CHAND R/o HOUSE NO 914 SECTOR 7 EXTN GURGAON HARYANA 122001 I HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME ISHITA TO ISHITA RAJPAL for future purpose

NAME CHANGE

I, POONAM / POONAM RATHEE D/O RANBIR SINGH R/O 188/13,NAJAFGARH ROAD, NEAR HARDYAL PUBLIC SCHOOL,ANAND NAGAR, BAHADURGARH, JHAJJAR, HARYANA-124507, HAVE CHANGED MY NAME TO POONAM RATHI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Mohammad Shafiq Siddiqi & Mohd Shafiq Siddiqi, C/o Mohammad Siddiq R/o A-37, second floor, DDA colony, New Zafrabad, Delhi-110032, have change my name Mohammad Shafique Siddiqi for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Parveen Devi W/o Mr. Vinod Kumar is the owner of Freehold Residential Built-up Property Bearing Plot No.50 area measuring 50 Sq. Yds. Out of Khasra No.329 & 330 Situated in the area of Village Nawada Delhi State Delhi Colony Known as Block-F, Bhagwati Garden Extn., Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA, ATS and WILL dated 05.04.2025., in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mr. Gurvinder Singh and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I hitherto known as NISHA WADHWA alias MAHEK JAI SINGHANI D/o ASHOK KUMAR WADHWA W/o ARUN JAI SINGHANI R/o J - 67D , LIG Flats , Ashok Vihar Phase - 1 , Ashok Vihar , North West Delhi , Delhi – 110052 have changed my name and shall hereafter be known as MAHEK JAI SINGHANI.

NAME CHANGE

I Shukla Devi R/o Flat No. TF-2, Plot No.62, Krishna Vatika Society, Sudamapuri, P.O. Vijay Nagar, Ghaziabad, U. P.-201009, have changed my name to Shruti Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I LALIT CHAUDHARY S/O SATISH KUMAR R/O House No-56, Hastsal Village, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have changed the name of my minor daughter PARI CHAUDHARY alias PRISHA CHAUDHARY aged 14 years and she shall hereafter be known as PRISHA CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I LALIT CHAUDHARY S/O SATISH KUMAR R/O House No-56, Hastsal Village, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have changed the name of my minor son JIAAN alias JAY CHAUDHARY aged 8 years and he shall hereafter be known as JAY CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I MD JAMALUDDIN KHAN S/O MOHAMMADDIN R/O D-48 FIRST FLOOR FRONT SIDE SHAHEEN BAGH ABUL FAZAL ENCLAVE PART-2 JAMIA NAGAR SOUTH DELHI 110025
HAVE CHANGED MY NAME TO JAMALUDDIN

NAME CHANGE

I MAHMUDA KHATUN W/O JAMALUDDIN R/O H-666 GROUND FLOOR KHESRA NO 752 BLOCK-H NEAR PUSTA ROAD JAITPUR EXTENSION PART-2 BADARPUR SOUTH DELHI 110044 HAVE CHANGED MY NAME TO MAHMOODA KHATOON

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Arti Devi W/O Rajkumar, R/O 260/14, mayur vihar satha, Bulandshahr, Bulandshahr, Uttar Pradesh-203001, declare that name of mine has been wrongly written as Arti in my minor daughter namely Soniya Rani aged 17 years in her 10th class educational documents.The actual name of mine is Arti Devi,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

P.S: AMAN VIHAR LR No: 64972/2026, I,RAM CHANDER TANEJA,S/O KHEM CHAND TANEJA R/O H.NO.81 PKT-9 SEC-22, ROHINI, DELHI, 110086, shokeenmukul 739 @ gmail.com , ALL PROPERTY DOCUMENTS CERTIFICATE NO -INDL 28185522978504X , I have LOST MY ALL PROPERTY DOCUMENTS DEMAND LETTER, BANK CHALLAN, HANDLING POSSESION LETTER, POSSESION SLIP, LEASE DDA, BUILDING PLAN, FREE HOLD, ETC. Finder mail me.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD HIRA S/O MOHD ABID HUSSAIN R/O PLOT NO 442 KHASRA NO 24/14 BLOCK C MEER VIHAR MADANPUR DABAS WEST DELHI 110081 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD HIRA

NAME CHANGE

I, VIJAYA, is legally mother of JC No. 463255H, Rank – Nb Sub, Name – PAWAR KAMALESH LAHUBA, presently residing at Vill – Borkhal, Post – Borkhal, Teh – Satara, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415011, have changed my name from VIJAYA to VIJAYA LAHUBA PAWAR and my date of birth from 05/08/1957 to 24/03/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi, India.

NAME CHANGE

I, LAHUBA, is legally father of JC No. 463255H, Rank – Nb Sub, Name – PAWAR KAMALESH LAHUBA, presently residing at Vill – Borkhal, Post – Borkhal, Teh – Satara, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415011, have changed my name from LAHUBA to LAHUBA RAMCHANDRA PAWAR and my date of birth from 05/08/1952 to 02/06/1957 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi, India.

NAME CHANGE

I, NANDABAI, is legally mother of Army No. 13632194Y, Rank – Nk, Name – PATHARE ROHIDAS PANDURANG, presently residing at Vill – Mawalewadi, Post –Vadegavhan, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 414302, have changed my name from NANDABAI to NANDABAI PANDURANG PATHARE and my date of birth from 05/08/1966 to 01/01/1963 for all future purposes.Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PATHARE PANDURANG SAKHARAM, is legally father of Army No. 13632194Y, Rank – Nk, Name – PATHARE ROHIDAS PANDURANG, presently residing at Vill – Mawalewadi, Post – Vadegavhan, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar, State – Maharashtra, Pin – 414302, have changed my name from PATHARE PANDURANG SAKHARAM to PANDURANG SAKHARAM PATHARE and my date of birth from 01/06/1958 to 06/06/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Hari Om** s/o Mr. Sher Singh is the owner of Land admeasuring 160 Sq. yards i.e. 133.78 Sq. Meter, out of Khasra no. 395/1Min, wake Village Hoshiyarpur, pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. vide GIFT DEED dated 02/02/2026, Registered as document Registration No. 1621 in Book No. I, Vol. No 14664, on page 333 to 350, on 02/02/2026, in the office of S.R.-I, NOIDA and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Finance.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Shila W/o Rajender Gupta R/o H.No.40, Extension-1, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name to Sheela Devi.

NAME CHANGE

I, Rajendar Kumar W/o Ramesh Chand R/o H.No.40, Extension-1, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name to Rajender Kumar Gupta.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Anju Chawla alias MALIKA KOCHAR D/O Vijay Kumar W/O LALIT KOCHAR R/O 114-C, DDA FLATS, SHIV MANDIR, A-6 PASCHIM VIHAR, S.O, WEST DELHI -110063, have changed my name and shall hereafter be known as MALIKA KOCHAR

NAME CHANGE

I hitherto known as Hari Singh S/o Banwari Lal, residing at RZ-2/9, X-Block, New Roshan Pura, Najafgarh, New Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known as Om Prakash.

Public Notice

It is for general information that I Qasim Raja S/O MASHIYAT ALI, R/O H NO G-382, GALI NO-13/4, BHAGIRATHI VIHAR, Gokal Pur, PO: Gokalpuri, DIST: North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as Mirza Haji Qasim Raza in my Pan Card No HRYPR8471Q .The actual name of mine is QASIM RAJA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Mohd Khalid Hameed S/o Abdul Samad R/o 761-762, 3rd loor, Sheesh Mahal, Bahadur Garh Road, Sadar Bazar, Delhi - 110006 have changed my minor Daughter's name from Khatija aged 14 years to Khadija Tul Kubra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PRASHANT SHARMA, R/O Kush-305, Agarsen Awas, I.P Extension, East Delhi, Delhi, 110092,Have changed the name of my minor Son Arsh Sharma aged 14 years and shall hereafter be known as EKANSH SHARMA, for all future purposes.
It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PRASHANT SHARMA

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद, एक-एक लाख जुर्माना

एजेंसी

हिसार। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अलका मलिक की अदालत ने पेटवाड़ गांव में एक व्यक्ति की हत्या मामले में दो दोषियों को उम्र कैद सुनाई है। दोनों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। मामला पेटवाड़ गांव के खेत में बने कमरे के बाहर बिहार के मधुबनी जिला निवासी रोघी मुखिया की हत्या का है। हत्या के इस मामले में नारनौंद पुलिस ने 16 जनवरी 2021 को हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। अदालत में चले मामले के अनुसार बिहार के मधुबनी जिला के रहने वाले बौकू मुखिया ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका चचेरा भाई रोघी मुखिया पेटवाड गांव के रहने वाले बृजेश के खेतों में काम करता था। दिन में खेतों में काम करने के बाद वह रात को खेत में बने कमरे में ही सोता था। उसने बताया कि सुबह जब वह अपने साथियों के साथ चचेरे भाई रोघी मुखिया से मिलने के लिए खेत में गया तो उसका शव कमरे के बाहर क्षत-विक्षत हालत में पड़ा था। जमीन पर काफी खून बिखरा पड़ा था और वहां पर कुत्तों के पांवों के निशान थे। बौकू मुखिया का कहना था कि रात के समय कुत्तों के काटने से उसके चचेरे भाई की मौत हुई है। नारनौंद पुलिस ने शव मिलने के बाद अपनी जांच का दायरा बढ़ाया था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि रोघी मुखिया की मौत कुत्तों के काटने से नहीं बल्कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की तो सामने आया कि रोघी मुखिया की हत्या उसके चचेरे भाई बौकू मुखिया उर्फ जगनारायण और संजय मुखिया ने मिलकर की थी।

विवाह से पूर्व थैलेसीमिया की जांच करवाने को महत्व दें किशोरियां : डॉ. सुशील गर्ग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग द्वारा थैलेसीमिया जैसी गंभीर अनुवांशिक रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गांव धांसू में विशेष थैलेसीमिया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामान्य अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील गर्ग इसमें मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य एवं पोषण विभागाध्यक्ष डॉ. वीनू सांगवान ने की। कार्यक्रम में 16 से 18 आयु वर्ग की किशोरियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह कार्यक्रम सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की सहायक वैज्ञानिक डॉ. वर्षा सैनी द्वारा आयोजित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि थैलेसीमिया एक गंभीर अनुवांशिक रक्त विकार है जो माता-पिता से बच्चों में स्थानांतरित होता है। उन्होंने इसके प्रमुख कारणों, लक्षणों, जांच की विधियों, उपचार एवं रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि समय पर जांच से सही परामर्श एवं जन जागरूकता से इस बीमारी की गंभीरता को काफी हद तक रोका जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान डॉ वीनू सांगवान ने अपने संबोधन में थैलेसीमिया रोग की रोकथाम में संतुलित एवं पौष्टिक आहार की भूमिका पर विशेष बल दिया।

अब फोन पर उपलब्ध होंगे गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के डिजिटल रिसोर्स

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर पुस्तकालय में फेडरेटेड सर्च के साथ रिमोट एक्सेस सिस्टम लॉन्च हुआ है, जो डिजिटल एकेडमिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने पुस्तकालय के 'निंबस साफ्टवेयर' को लॉन्च किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि यह एडवांस्ड रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर है, जो फेडरेटेड सर्च सुविधा के साथ इंटीग्रेटेड है, जिससे संकाय सदस्य, शोधार्थी व विद्यार्थी को कभी भी और कहीं से भी सब्सक्राइब्ड और निशुल्क उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक आसान एक्सेस मिल सकेगा। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रामाणिक और विश्वसनीय जानकारी तक पहुंच अत्यंत आवश्यक है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय की यह पहल संस्थान के इनोवेशन, रिसर्च और टेक्नोलॉजी-आधारित लर्निंग को बढ़ावा देने के विज़न के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। उन्होंने कहा कि रिमोट एक्सेस और फेडरेटेड सर्च सुविधाओं की शुरुआत पुस्तकालय को डिजिटल रूप से सशक्त नॉलेज हब में बदलने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

नशा तस्करों की अवैध संपत्ति को करें अटैच : डीएसपी

सिरसा। सिरसा के डीएसपी संजीव बल्हारा ने सिरसा पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में थाना प्रभारियों और जांच अधिकारियों को को नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएसपी बल्हारा ने कहा कि नशे के कारोबार समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है जो न केवल युवाओं को प्रभावित करता है, बल्कि इससे अपराध और हिंसा भी बढ़ रही है। नशा तस्करी से जुड़ी अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि इस अपराध पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने थाना प्रभारियों एवं जांच अधिकारियों से कहा कि नशा तस्करों द्वारा नशे की काली कमाई से अवैध रुप से संपति अर्जित करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर नशे की काली कमाई से अर्जित संपति को जब्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि धारा 68 एफ के तहत यदि कोई जांच अधिकारी यह विश्वास करता है कि नशा तस्करों द्वारा संपत्ति अवैध रूप से अर्जित की गई है।

हरियाणा को केंद्रीय करों से मिलेंगे एक लाख करोड़ : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेश किया गया दूसरा बजट देश के साथ-साथ हरियाणा के लिए भी लाभकारी है। चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 से 2031 की अवधि के लिए वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। केंद्रीय करों हरियाणा राज्य का हिस्सा 1.093 प्रतिशत से बढ़कर 1.361 प्रतिशत हो गया है। 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा की तुलना में यह लगभग 24.5 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी है और अब तक का सबसे अधिक हिस्सा है। इसका सीधा लाभ यह होगा कि वर्ष 2026-27 में हरियाणा को केंद्रीय करों से लगभग 20 हजार 772 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे।

यह राशि पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान से करीब 5 हजार 547 करोड़ रुपये अधिक है। 16वें वित्त आयोग की अवधि में हरियाणा को करीब एक लाख करोड़ रुपये केंद्रीय करों से प्राप्त होंगे, जो कि हरियाणा को मिलने वाला अब तक का सबसे ज्यादा फंड है।बजट में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को लगभग 12 लाख 20 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। यह निवेश सड़कों, रेल, शहरी अवसंरचना, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करेगा। इसका सीधा लाभ हरियाणा को मिलेगा, क्योंकि हमारा राज्य दिल्ली-एनसीआर, औद्योगिक गलियारों और राष्ट्रीय राजमार्गों का केंद्र है। युवा कौशल विकास व शिक्षा क्षेत्र के लिए 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बायोटेक और साइबर सिक्योरिटी जैसी तकनीकों के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का विशेष फंड रखा गया है। इसका सीधा लाभ गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और रोहतक जैसे शैक्षणिक व तकनीकी केंद्रों को मिलेगा, जहां हमारे युवा विश्व-स्तरीय अति-आधुनिक कौशल सीखकर उच्च-आय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए भी 7,500 करोड़ रुपये के प्रावधान से हरियाणा का स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगा। वर्तमान में, हरियाणा में 9,100 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोफार्मा शक्ति पहल के अंतर्गत 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान, स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए 20 हजार करोड़ रुपये व मेडिकल टूरिज्म के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का समर्थन दिया गया है। ऐसे में गुरुग्राम, पंचकूला, रोहतक और करनाल जैसे क्षेत्रों में फार्मा क्लस्टर, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक अस्पतालों को नई गति मिलेगी।

किसान छात्र एकता संगठन ने सीआरएसयू डीन अकेडमिक को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ हो रहे शैक्षणिक अन्याय के खिलाफ किसान छात्र एकता संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने डीन ऑफ अकेडमिक से मुलाकात की। जिसमें बीएससी (भूगोल) द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के बिना पूर्व सूचना विभाग से नाम काटे जाने पर रोष जताया। प्रतिनिधिमंडल ने डीन ऑफ अकेडमिक को अवगत कराया कि विद्यार्थियों की अंतिम परीक्षा 14 जनवरी को संपन्न हुई थी। 17 जनवरी को कक्षाएं शुरू होने की सूचना दी गई। जबकि 21 से 23 जनवरी तक विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव आयोजित था और 26 जनवरी तक विश्वविद्यालय का आधिकारिक अवकाश घोषित था। इसके बावजूद 29 जनवरी को विभाग द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए विद्यार्थियों के नाम काट दिए गए। संगठन ने प्रशासन की दोहरी और विरोधाभासी नीति पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विश्वविद्यालय के कई विभागों में आज तक नियमित कक्षाएं प्रारंभ ही नहीं हुई हैं। जहां कक्षाएं नहीं लग रही, वहां कोई कार्रवाई नहीं है और जहां विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाएं अटेंड कर रहे हैं, वहीं उनके नाम काटे जा रहे हैं। यह चयनात्मक कार्रवाई विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। छात्र नेता विक्रम ने कहा कि यह साफ दिखाता है कि विश्वविद्यालय में नियम सबके लिए समान नहीं हैं। अगर यह भेदभाव तुरंत बंद नहीं हुआ है तो किसान छात्र एकता संगठन इस मुद्दे को आंदोलन में बदलेगा। छात्र नेता साहिल ने कहा कि जो विद्यार्थी कक्षा में आ रहे हैं, उन्हें ही दंडित किया जा रहा है। यह प्रशासनिक लापरवाही नही बल्कि छात्रों को डराने की कोशिश है। जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दुर्घटना हो या जाम, अब मिनटों में ही खुलेगा रास्ता

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और सड़क दुर्घटनाओं के बाद यातायात को शीघ्र बहाल करने की दिशा में जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला सचिवालय परिसर से उपायुक्त डॉक्टर वीरेन्द्र कुमार दहिया ने पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र सिंह को अत्याधुनिक हाइड्रोलिक क्रेन को औपचारिक रूप से सुपुर्द किया। उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने बताया कि शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को प्रशासन किसी भी सूरत में हल्के में नहीं ले रहा। उन्होंने कहा की शहर में कहीं भी दुर्घटना, खराब वाहन या अवैध रूप से खड़े भारी वाहनों के कारण यातायात बाधित होता है, तो यह क्रेन तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करेगी। हमारा लक्ष्य है कि सड़क पर कोई भी अवरोध लंबे समय तक न रहे और आम नागरिक को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े। यह हाइड्रोलिक क्रेन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को तेजी से हटाने, जाम की स्थिति को नियंत्रित करने तथा आपदा के समय त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही शहर में कैमरा लगाने के कार्य पर भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह क्रेन उसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके माध्यम से शहर को जाम मुक्त, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाया जाएगा। इस पहल से न केवल सड़क सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि शहरवासियों को बार-बार लगने वाले ट्रैफिक जाम से भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

युवाओं की भागीदारी से बदलेंगे राजनीति के मायने :अरविंद शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 11 सालों में राजनीति के मायने बदलते हुए एक करोड़ युवाओं को राजनीति में लाने का विचार दिया है, ताकि युवा देश को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एबीवीपी द्वारा पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ से स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम की मुहिम चंडीगढ ही नहीं, अपितु हरियाणा और पंजाब में युवाओं में बदलाव लाने का माध्यम बनेगी।पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ में एबीवीपी द्वारा आयोजित पीयू ओलंपिक्स खेलों का शुभारंभ करते हुए अरविंद शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि भारत में खेलों को जो नई दिशा और पहचान मिली है,

उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व है, क्योंकि उन्होंने खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम माना है।कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने एबीवीपी के स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि सशक्त युवा, सशक्त राष्ट्र की भावना के साथ एबीवीपी के दशकों के प्रयास, मेहनत, करोडों युवाओं के सपनों के प्रहरी के तौर जिम्मेदारी भरे प्रयास किसी से छुपे नहीं है। एबीवीपी महज संगठन नहीं है। एबीवीपी युवा आंदोलन है। एक सप्ताह तक चलने वाले पीयू ओलंपिक्स महज खेलों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह युवा भारत के चरित्र, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उत्सव है। पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि खेल मैदान वह स्थान है, जहां शरीर मजबूत होता है, मन संतुलित रहता है और व्यक्तित्व निखरता है। स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन खेल मैदान हमें खुद को पहचानने का अवसर देता है। आज के समय की मांग यह है कि हमारे युवा मोबाइल की स्क्रीन से नजर हटाकर खेल के मैदान की मिट्टी को महसूस करें। वर्ष 2014 से अब तक भाजपा सरकार ने 16 हजार 418 खिलाड़ियों को 683 करोड़ रूपए नकद पुरस्कार के तौर पर दिए जा चुके हैं। वहीं 231 खिलाड़ियों को उनकी शिक्षा के अनुरूप सरकारी नौकरी दी गई है।

इस अवसर पर एबीवीपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, छात्र कल्याण डीन डॉ. अमित चौहान, एबीवीपी राष्ट्रीय मंत्री आदित्य तकियार, एबीवीपी पंजाब प्रदेशाध्यक्ष डॉ प्रशांत गौतम, क्षेत्रीय संगठन मंत्री गौरव अत्री, प्रदेश मंत्री जसकरण भुल्लर आदि उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने सिख समाज के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति पर आघात किया है : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार' कहने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। प्रदेश में जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किए, राहुल गांधी का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने सिख समाज के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति पर सीधा आघात किया है। प्रदेश के पंचकूला, फतेहाबाद, कैथल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर सहित कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को अहंकारी बताया। पंचकूला में नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की सोच को सिख विरोधी बताया, वहीं रेवाड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। जिला अध्यक्ष वंदना पोपली ने कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बनने के लायक ही नहीं है। राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारत का अपमान करते हैं। भारतीय सेना का मजाक उड़ाते हैं। वंदना पोपली ने राहुल गांधी

से तुरंत सिख समाज से माफी मांगते हुए इस्तीफा देने की मांग की।राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस की सिख समुदाय के प्रति नकारात्मक और घृणित सोच अब किसी से छिपी नहीं है। 1984 के सिख नरसंहार में 'गांधी परिवार' की भूमिका से मिले जख्म सिख समाज के मन में आज भी हरे हैं।

श्री बड़ौली ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद और शर्मनाक है कि उसी कांग्रेस का युवराज राहुल गांधी आज लोकतंत्र के मंदिर संसद जैसे गरिमामय स्थल से सिख समुदाय से आने वाले सांसद सरदार रवनीत सिंह बिट्टू के लिए 'गद्दार' जैसे शब्दों का प्रयोग करता है। यह केवल एक असंवेदनशील बयान ही नहीं, बल्कि सिख समाज के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रभक्ति पर सीधा आघात है। श्री बड़ौली ने कहा कि इस घोर आपत्तिजनक और निंदनीय कृत्य के लिए राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस को न केवल सिख समाज से, बल्कि पूरे देश से बिना किसी शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सोच 1984 से 2026 तक वही की वही है। उन्होंने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू उन्हीं पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं जिनकी खालीस्थान समर्थक आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह सिख परिवार से है जिसने देश की सेवा की है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि राजीव गांधी की सरकार के दौरान 1984 में हजारों सिखों की हत्या कर दी गई थी। घरों को जलाया गया और परिवार के परिवार तबाह हो गए। उस समय कांग्रेस सरकार आंखें मूंदे बैठी रही।

काकीनाडा से हिसार के लिए रेलवे प्रशासन चलाएगा स्पेशल ट्रेन

एजेंसी

हिसार। हिसार व आसपास के क्षेत्र के रेल यात्रियों को अब एक और सुविधा मिलने वाली है। इससे राजस्थान के यात्रियों को भी फायदा होगा। रेलवे ने इसका पूरा कार्यक्रम बना लिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या 07705/07706 (काकीनाडा टाउन-हिसार-काकीनाडा टाउन) स्पेशल ट्रेन के संचालन समय को बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 19 फरवरी से 29 मार्च के अंत तक अपनी सेवाएं देगी। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा से हिसार के बीच रेलवे प्रशासन यह स्पेशल ट्रेन चलाएगा। इस ट्रेन का राजस्थान के बड़े स्टेशनों पर ठहराव भी होगा। इस ट्रेन का फायदा विशेषकर तीर्थ यात्रियों को मिलेगा। इस रूट पर हजूर साहिब नांदेड़, रींगस, अजमेर शरीफ और आंध्र प्रदेश के प्रमुख मंदिर आते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होती है। ऐसे होगा इस ट्रेन का होगा संचालन ट्रेन संख्या 07705 प्रत्येक काकीनाडा टाउन से रवाना होगी और तीसरे दिन (शनिवार) दोपहर 14:05 बजे हिसार पहुंचेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 07706 हिसार-काकीनाडा टाउन स्पेशल ट्रेन 22 फरवरी से 29 मार्च तक हिसार से रविवार रात 11:15 बजे रवाना होकर बुधवार सुबह 9 बजे काकीनाडा टाउन पहुंच जाएगी।ट्रेन में कुल 24 डिब्बे रहेंगे। आगामी 21 फरवरी से बाबा खाटूश्याम का मेला शुरू होने जा रहा है। ऐसे में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को इस ट्रेन का फायदा होगा। इस ट्रेनन में एसी कोच सहित 24 डिब्बे होंगे। जानकारों का मानना है कि हिसार और आसपास के क्षेत्रों के बहुत से लोग व्यापार, शिक्षा और पर्यटन के लिए दक्षिण भारत (विशेषकर हैदराबाद और आंध्र प्रदेश) जाते हैं। यह ट्रेन उन्हें बिना ट्रेन बदले सीधा विकल्प देती है।

डीसी ने किया जिला पुस्तकालय का दौरा, खामियां सुधारने के निर्देश

एजेंसी

कैथल। जिला उपायुक्त अपराजिता ने स्वामी विवेकानंद जिला पुस्तकालय का दौरा किया। जहां उन्होंने बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही बच्चों के लिए केबिन की संख्या बढ़ाए जाने सहित भवन की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी व पुस्तकालय के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। बाहर की तरफ छत के छज्जे से गिर रहे लैंटर के टुकड़ों को देख कर उन्होंने अधिकारियों से जवाब तलबी की और इसे जल्दी से जल्दी ठीक करवाने के निर्देश दिए। पुस्तकालय में पढ़ाई के माहौल को देख कर डीसी ने कहा, काश मैं भी यहां बैठ कर पढ़ सकती। डीसी सुबह पुस्तकालय पहुंची, जहां जिला उच्च शिक्षा अधिकारी डा. मनोज कुमार भांबू ने उनका अभिनंदन किया। इसके बाद डीसी ने सबसे पहले लड़कों के पठन कक्ष का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने बच्चों से बातचीत कर पुस्तकालय में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ई-लाइब्रेरी कक्ष का दौरा किया। जहां इंटरनेट संबंधी सुविधाओं की समीक्षा की। इसके बाद डीसी ने पुस्तकालय में रखी पुस्तकों का निरीक्षण किया। जो

व्यवस्थित ढंग से रखी हुई थी। इसके बाद डीसी अपराजिता ने शौचालयों का भी निरीक्षण किया। साथ ही स्टोर रूम में सामान को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पहली मंजिल पर लड़कियों के लिए पठन कक्ष का दौरा किया। जहां तीन अलग-अलग कक्षों में पढ़ रही छात्राओं से बातचीत की। लड़कियां ने पुस्तकालय में पढ़ने के लिए टेबल केबिन की आवश्यकता बताई। जिस पर डीसी ने अधिकारियों को उपलब्ध फंड से यह कार्य करवाने के निर्देश जारी किए। उन्होंने खाली कमरे को लड़कियों के लिए ई-लाइब्रेरी के तौर पर प्रयोग करने के निर्देश जारी किए। डीसी ने द्वितीय तल पर भी कक्ष बनाने का प्रस्ताव तैयार करते हुए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को आवश्यक एस्टीमेट बनाकर काम पूरा करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि भवन में जहां भी मरम्मत की आवश्यकता है, वहां मरम्मत की जाए। साथ ही विद्यार्थियों को जो भी सुविधाएं चाहिए, वे नियमानुसार पूरी की जाएं।

गश्त,निगरानी व तवरित प्रतिक्रिया पर होगा पुलिस का फोकस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर सभी अधिकारियों को गश्त, निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों, रेंज एवं पुलिस आयुक्तालयों को उच्च सतर्कता बनाए रखने तथा अपनी कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियों का आंकलन करने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि निर्देशों का पालन केवल औपचारिक न रहे, 6 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विभिन्न जिलों, रेंजों और पुलिस आयुक्तालयों में कानून-व्यवस्था तैयारियों की समीक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। पुलिस महानिदेशक द्वारा अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि गश्त व्यवस्था एवं सीलिंग प्लान केवल कागज़ों तक सीमित न रहें। रात्रि गश्त, नाकाबंदी तथा संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए राजपत्रित अधिकारियों को प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी बनाया गया है, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो और किसी भी चूक की तुरंत पहचान की जा सके। प्रदेश में अपराध-नियंत्रण और निगरानी को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम, पेट्रोल पंप, आभूषण प्रतिष्ठान, बैंक, स्कूल-कॉलेज, आरडब्ल्यूए क्षेत्र, बाजार, पार्किंग स्थल, धार्मिक स्थल, औद्योगिक इकाइयां, गोदाम, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना करवाना एवं उनके सुचारु रखरखाव करवाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। कैमरों की सूची, डीवीआर की सुरक्षा तथा नियमित मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संबंधित थाना प्रभारियों और उप-मंडल अधिकारियों को सौंपी गई है। हर जिले में गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों की दैनिक समीक्षा करने और सूचना मिलते ही विशेष, सुसज्जित टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मानवीय दृष्टिकोण के साथ त्वरित कार्रवाई की जा सके।

डीएलसीसुपवा में सजेगा अंतरराष्ट्रीय थियेटर महोत्सव भारंगम का मंच

9 से 12 फरवरी तक कलाकार देगे प्रस्तुतियां, भारत रंग महोत्सव का पोस्टर किया लॉन्च

एजेंसी

रोहतक। डीएलसी सुपवा व नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय थियेटर महोत्सव भारंगम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश की टीमें विभिन्न शैलियों और प्रदर्शन रूपों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रशंसित रंगमंच प्रस्तुतियां देंगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीएलसी सुपवा के कुलपति डॉ. अमित आर्य ने बताया कि नौ से 12 फरवरी तक विश्वविद्यालय में भारत रंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नाट्य महोत्सव ने देश भर में अपनी सांस्कृतिक छाप छोड़ी है। नागांव, रांची, रायपुर, गंगटोक, पारादीप, वाराणसी, बेंगलुरु, पटना, इटानगर, कोलकाता, इंफाल, साखालिन और दीमापुर में मंचन एक साथ आयोजित स्थान दिया है। रोहतक में भारंगम की मेजबानी करना भारत में कला रूप के व्यापक कल्याण के लिए एक

किए गए, जिससे थिएटर को विकेंद्रीकृत करके विश्व स्तरीय नाटकों को ज्यादा से ज्यादा कला प्रेमियों तक पहुंचाया गया। यह महोत्सव सभी राज्यों में 41 स्थानों पर मनाया जा रहा है, जिसमें हरियाणा से सिर्फ रोहतक का डीएलसीसुपवा शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत के सांस्कृतिक सर्किट में एक विशेष सार्थक प्रयास है और शहर के लिए गर्व का क्षण है।

इस अवसर पर भारत रंग महोत्सव का पोस्टर भी लांच किया गया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, महेश टीपी, केशव, डॉ अजय कौशिक प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कांग्रेस संगठन गांव से बूथ तक मजबूत होगा, हर कार्यकर्ता को मिलेगी जिम्मेदारी : राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी

हिसार। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने केंद्रीय बजट को आम जनता से धोखा करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट वैसे तो आम जनता, खासकर हरियाणा के लिए और भी निराशाजनक है, क्योंकि इसमें हरियाणा को कुछ नहीं मिला। राव नरेन्द्र शहर के सेक्टर 13 में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया सहित अनेक नेता इस अवसर पर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह बजट महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसी जमीनी समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल रहा

है। बजट में न तो युवाओं के लिए रोजगार के ठोस अवसर दिखाई देते हैं और न ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए कोई प्रभावी योजना सामने आई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य के लिए बजट में कोई विशेष पैकेज या ठोस प्रावधान नहीं किया गया, जिससे किसानों, मजदूरों और ग्रामीण वर्ग में भारी निराशा है। मनरेगा को लेकर राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार इस महत्वपूर्ण योजना को लगातार कमजोर करने का प्रयास कर रही है, जबकि मनरेगा गरीब और मजदूर वर्ग के लिए केवल एक योजना नहीं बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि 100 दिन के काम की कानूनी गारंटी को व्यवहार में कमजोर किया जा रहा है, मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं हो रहा और न्यूनतम मजदूरी के अधिकारों पर भी लगातार हमले किए जा रहे हैं। राव नरेन्द्र ने कहा कि अगर भाजपा को अपने कार्यों पर घमंड है तो मतपत्र से चुनाव कराएं।

एआई में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डराया, निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

वॉलस्ट्रीट पर सॉफ्टवेयर कंपनियों में नुकसान के बाद गुरुवार को भारत में भी आईटी शेयरों में गिरावट आईं। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डरा दिया। निफ्टी आईटी सूचकांक में 5.87 फीसदी की भारी गिरावट आई, जो 23 मार्च, 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। निफ्टी आईटी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.92 लाख करोड़ रुपए तक घट गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस दोनों के शेयर 7 फीसदी से ज्यादा टूट गए। विप्रो में 3.8 फीसदी की गिरावट आई। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स 4.6 फीसदी और एलटीआई माइंडट्री 5.5 फीसदी नुकसान में रहे। बेंचमार्क निफ्टी 0.19 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। सेंसेक्स भी 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 पर बंद हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक आईटी क्षेत्र को चिंता तब शुरू हुई जब एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने इन-हाउस वकीलों के लिए उत्पादकता टूल पेश किया, जो समूची कार्यप्रणाली को स्वचालित करता है। इससे निवेशकों को चिंता है कि ऐसे एआई टूल के विकास से पारंपरिक कारोबारी मॉडल वाले सॉफ्टवेयर कंपनियों को नुकसान होगा और पूरे उद्योग का मुनाफा घट जाएगा। स्वचालित टूल जारी होने की खबर से मंगलवार को वॉलस्ट्रीट पर बिकवाली शुरू हो गई और नैस्डैक 100 1.55 फीसदी नीचे बंद हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन सैक्स समूह के अमेरिकी सॉफ्टवेयर शेयरों का बास्केट 6 फीसदी गिर गया जो अप्रैल में शुल्क की वजह से हुई बिकवाली के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सॉफ्टवेयर की बिकवाली बढ़ गई है और कुछ ही सुरक्षित ठिकाने बचे हैं क्योंकि एआई में तेजी से विकास हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लाउड एक ऐसे चैटबॉट से एजेंट में बदल रहा है जो टेक्स्ट-आधारित सवालों के जवाब देता है और आपके मैक की लोकल फाइलों और ब्राउजर पर काम करता है।

वीवो वी50 5जी पर मिल रहा भारी डिस्काउंट, स्नैपड्रैगन प्रोसेसर व 50एमपी फ्रंट कैमरा भी

नई दिल्ली।

आप स्मार्टफोन खरीदने जा रहे है तो आपको वीवो वी50 5जी पर फिल्पकार्ट शानदार डिस्काउंट दे रहा है। कंपनी ने इस फोन को 39,999 रुपए की कीमत पर पेश किया था, लेकिन बैंक ऑफर्स और फ्लैट डिस्काउंट के बाद तो फोन की कीमत काफी कम हो गई।

वीवो वी50 5जी इस प्राइस पर काफी शानदार फीचर्स ऑफर कर रहा है। डिवाइस में शानदार परफॉर्मेंस, बड़ी और कलरफुल डिस्प्ले, फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और शानदार कैमरे देखने को मिल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वीवो वी50 5जी की कीमत वैसे तो 39,999 रुपए है लेकिन फिल्पकार्ट अभी इस डिवाइस को सिर्फ 32,999 रुपए में खरीदने का मौका दे रहा है। फोन पर 7,000 रुपए तक का फ्लैट डिस्काउंट देखने को मिल रहा है।

इतना ही नहीं फोन पर जबरदस्त बैंक ऑफर भी मिल रहा है जहां फिल्पकार्ट एसबीआई या फिल्पकार्ट एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके 5फीसदी तक का कैशबैक भी मिल सकता है। जबकि कुछ बैंक के क्रेडिट कार्ड नॉन ईएमआई ऑप्शन पर 1500 रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके अलावा आप अपना पुराना डिवाइस एक्सचेंज करके भी ज्यादा डिस्काउंट ले सकते हैं। पुराने स्मार्टफोन को एक्सचेंज करके आपको 26,650 रुपए तक का एक्सचेंज वैल्यू मिल सकता है। हालांकि, फाइनल एक्सचेंज वैल्यू आपके पुराने स्मार्टफोन के ब्रांड, मॉडल और फंक्शनैलिटी पर डिपेंड करेगी।

वीवो के इस फोन में 6.77-इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिल रहा है। साथ ही फोन में 120एचजेड तक का रिफ्रेश रेट सपोर्ट भी मिलेगा। तेज धूप में यह डिवाइस 4,500 निट्स की पीक ब्राइटनेस भी ऑफर करेगा। फोन में स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट देखने को मिल रहा है। साथ ही इस फोन में 12जीबी एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 2.2 स्टोरेज मिल रही है।

फोटोग्राफी के लिए वीवो वी50 5जी में डुअल कैमरा सेटअप देखने को मिल रहा है जहां 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा मिल रहा है। साथ ही डिवाइस में एक 50एमपी का सेकेंडरी कैमरा भी मिल रहा है। सेल्फी के लिए इस डिवाइस में 50एमपी का फ्रंट कैमरा मिल रहा है। इस स्मार्टफोन में 6,000मेगाहार्ट की बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी मिल रहा है।

विदेशी कंपनियों को कर छूट का लाभ लेने के लिए करनी होगी चार शर्तें पूरी

-यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उपलब्ध होगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट में डेटा और क्लाउड सेंटर कंपनियों के लिए कर छूट की घोषणा के बाद वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि विदेशी कंपनियों को कर छूट का पात्र होने के लिए चार शर्तों को पूरा करना होगा। यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उस विदेशी कंपनी को उपलब्ध होगी, जो भारत समेत विश्व स्तर पर क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है। विदेशी कंपनी को छूट प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विदेशी कंपनी का अधिसूचित होना जरुरी है और भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से डेटा सेंटर सेवाएं ली जा रही हैं, उसका भारतीय होना अनिवार्य है। अन्य शर्तों में यह भी शामिल है, डेटा सेंटर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित होना और विदेशी कंपनी द्वारा भारतीय उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सेवाएं एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के जरिए प्रदान की जानी अनिवार्य हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह छूट क्लाउड सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी विदेशी कंपनियों को निश्चितता प्रदान करती है, जो भारत में स्थित डेटा सेंटर से सेवाएं हासिल करती हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों को कोई जोखिम नहीं होगा कि उनकी वैश्विक आय पर भारत में कर लगाया जाए। घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर कर, जैसे कि रेजिडेंट डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को डेटा सेंटर सेवाएं प्रदान करना और रेजिडेंट पुनर्विक्रेता इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं बेचना, किसी भी अन्य घरेलू कंपनी की तरह ही कर योग्य रहेगा।

हालांकि, यदि भारतीय डेटा सेंटर किसी विदेशी कंपनी की संबद्ध इकाई है, तो 15 फीसदी का सुरक्षित कर मार्जिन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी क्लाउड सेवा इकाई के साथ व्यवहार समान रहेगा, चाहे डेटा सेंटर भारतीय स्वामित्व वाला हो या वैश्विक इकाई की सहायक कंपनी, जिससे सभी के लिए समान अवसर तय होंगे। भारतीय डेटा सेंटर अब आत्मविश्वास से ऐसी वैश्विक क्लाउड इकाइयों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं, और बाद वाली इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटरों के इस्तेमाल के कारण किसी भी प्रकार के कर जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस कदम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और डेटा सेंटरों में निवेश को बढ़ावा देना है।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है। अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, मार्केट्स, इंटरनैशनल बैंकिंग और खुदरा समेकत करीब सभी प्रमुख क्षेत्रों का कामकाज देखा है। इसकी वजह से वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हैं।

सूत्रों ने कहा कि एमडी और सीईओ पद के लिए तीन उम्मीदवार दौड़ में थे, जिनमें से दो निजी क्षेत्र से थे। येस बैंक के बोर्ड ने टोंसे को चुना। टोंसे ने 1988 में स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप काम करना शुरू किया था।

भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा: सीतारमण

-ट्रेड डील की घोषणा के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां होंगी खत्म

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अब भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब साल भर पहले निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू किया था, तब भी भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत थी। उन्होंने कहा कि बुनियादी वृहद आर्थिक संकेतक तब मजबूत थे, बाद में मजबूत रहे और अब भी मजबूत ही हैं लेकिन निवेश की आवक के लिए कुछ और चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच फोन बातचीत पर प्रतिक्रिया देखें तो पता चल जाएगा कि मौसम कितना बदल गया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि देश में निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा। इससे संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2027 के बजट में घोषित सीमा शुल्क में कटौती प्रस्तावित बड़ी कवायद की पहली किस्त थी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क की व्यवस्था में कई स्तर हैं, जिन्हें सरकार सुधारों को एक साथ पूरा करने के बजाय जानबूझकर उन्हें चरणबद्ध तरीके से कर रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं यह सब इस बजट में कर सकती थी, लेकिन जितने पर पूरा भरोसा था उसे किया। बाकी के लिए हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। कुछ बदलाव तृतीयक संशोधनों के जरिये भी लाए जा सकते हैं या ऐसा कहें कि मेरे पास अभी कुछ और भी है, जिसे बाद में एक साथ लाएंगे लेकिन जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा लगातार सुर्खियों में

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा भारतीय कार बाजार में माइलेज को लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मारुति सुजुकी कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी फुल टैंक में करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है। 10.76 लाख रुपये से 19.57 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध इस मिड-साइज एसयूवी का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस और होंडा एलिवेट जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होता है। इसके बावजूद ग्रांड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से अपनी अलग पहचान कायम कर चुकी है। बिक्री के आंकड़े भी इसकी सफलता की पुष्टि करते हैं। पिछले छह महीनों में 50 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ यह एसयूवी हर महीने औसतन 8,355 ग्राहकों की पसंद बन रही है। मारुति और टोयोटा की साझेदारी में विकसित इस मॉडल में माइल्ड और स्ट्रॉन्ग दोनों तरह के हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलते हैं। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से 27.97 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। इसमें दिया गया ईवी मोड पूरी तरह इलेक्ट्रिक मोटर पर कार चलाता है, जिससे ड्राइविंग न केवल शांत होती है बल्कि ईंधन की खपत भी काफी कम रहती है। फीचर्स के मामले में भी ग्रांड विटारा किसी से कम नहीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपये में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर कमाए, ट्रेंट का रेवेन्यू बढ़ा

-टाटा पावर का वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 1,194 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर के साथ 19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दौरान राजस्व 4.9 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि स्थिर मुद्रा में वृद्धि 3.8 फीसदी रही। वृद्धि के ये आंकड़े अधिकांश भारतीय प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कहीं बेहतर रहे। कॉग्निजेंट जनवरी-दिसंबर की अवधि को वित्त वर्ष मानती है। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2025 में अपने खुद के अनुमान को पार करने के बाद वह 4 से 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी। फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंटफैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंट का समेकित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इसका परिचालन राजस्व 14.8 फीसदी बढ़कर 5,345.1 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने कहा कि लेखा मानकों के कारण हमारे समेकित राजस्व में ट्रेंट हाइपरमार्केट कारोबार का राजस्व शामिल नहीं है। हालांकि इस परिणाम में इस उद्यम के लाभ का आनुपातिक हिस्सा शामिल है और इसकी गणना इक्विटी विधि के आधार पर की गई है। टाटा पावर का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली रूप से बढ़कर 1,194 करोड़ रुपए पहुंच गया। राजस्व में कमी के बावजूद कंपनी के मुनाफे में यह बढ़त दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,188 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। बजाज फिनसर्व का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा और यह 2,229 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,231 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था।

एआई से भरोसा नहीं: बढ़ी बेचैनी, एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ाया

-निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली। एआई बाजार की बेचैनी बनता जा रहा है। एआई में बढ़ते खर्च को लेकर डर बढ़ते ही गुरुवार को एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ा गए। टेक शेयरों पर दबाव साफ दिखा, हालांकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स ने संभलने की कोशिश की क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियों में हल्की तेजी आई। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने बाजार बंद होने के बाद मजबूत नतीजे पेश किए, लेकिन असली झटका उसके ऐलान ने दिया। कंपनी ने बताया कि वह इस साल एआई पर 175 से 185 अरब डॉलर खर्च करेगी। यह रकम बाजार की उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। इस खबर के बाद अल्फाबेट का शेयर एक समय 6 फीसदी से ज्यादा टूट गया, हालांकि बाद में गिरावट 0.4 फीसदी रह गई। आईजी के एनालिस्ट ने कहा कि एआई पर खर्च में इतनी बड़ी बढ़ोतरी ऐसे वक्त आई है जब निवेशक पहले से ही सॉफ्टवेयर कंपनियों, कैपेक्स और एआई वैल्यूएशन को लेकर बेहद घबराए हुए हैं। निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे हैं। एआई की वजह से नौकरियों और बिजनेस मॉडल पर खतरे की आशंका बढ़ गई है। एन्थोपिक के कालुडे एआई मॉडल के नए लीगल टूल से शुरू हुई बिकवाली ने 28 जनवरी के बाद से करीब 830 अरब डॉलर की बाजार वैल्यू साफ कर दी है। इस डर के माहौल में एडवांड माइक्रो डिवाइस के कमजोर नतीजों ने आग में घी डाल दिया। चिप निर्माता कंपनी का शेयर रातों-रात 17 फीसदी टूट गया और टेक सेक्टर की हालत खराब हो गई। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते खर्च की उम्मीद से नविदिया के शेयरों में आफ्टर-आवर्स ट्रेडिंग में करीब 2 फीसदी की तेजी आई। इससे नस्दक फ्यूचर्स 0.6 फीसदी और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.4 फीसदी ऊपर दिखे, मानो बाजार ने राहत की सांस ली हो।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 503, निफ्टी 133 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 503.76 अंक नीचे आकर 83,313.93 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक टूटकर 25,642.80 पर बंद हुआ। बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई। इसमें एचएएल में 4.31 फीसदी, डेटा पैटनर्स 3.63 फीसदी और साइएंट डीएलएम 3.34 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस में 2.10 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.02 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.82 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी कंजप्शन इंडेक्स में 0.59 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.38 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर में 0.14 फीसदी की बढ़त रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 166.50 अंक टूटकर की 59,517.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 221.20 अंक नीचे आकर 16,983.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

व्यापक बाजार में भी कमजोरी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,737 शेयर लाभ के साथ ही उछले। वहीं 2,447 शेयरों में गिरावट रही। 158 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ ही 83,757 पर खुला। सुबह यह 273.15 अंक नीचे आकर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी टूटकर ,755.90 पर खुला। सुबह यह 87.15 अंक फिसलकर 25,685 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो आज सुबह शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र के अनुसार रही। इस दौरान तकनीकी शेयरों में बिकवाली रही। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स करीब 2.35 फीसदी नीचे आया 0.49 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 और नैस्डैक 100 में 0.51 और 1.8 फीसदी की गिरावट रहीए। निवेशकों को टेक शेयरों के महंगे वैल्यूएशन की आशंका रही।

जनवरी में रेनो की कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली । रेनो इंडिया कंपनी की साल के प्रथम महीने जनवरी में कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। यह बीते साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की इस सफलता में ट्रीबर और काईगर जैसे मॉडलों की बढ़ती मांग सबसे बड़ी वजह रही। किफायती कीमत, बेहतर परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली डिजाइन ने ट्रीबर को बजट सेगमेंट में लोकप्रिय विकल्प बनाया है। यह तेज वृद्धि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के औसत प्रदर्शन से काफी आगे है और यह दर्शाती है कि रेनो के मॉडल भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद में लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं। वहीं काईगर ने भी युवाओं और शहरी ग्राहकों के बीच अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। इसके साथ ही, जनवरी के अंत में लॉन्च की गई नई जेनरेशन डस्टर ने रेनो ब्रांड के प्रति उत्साह को और बढ़ाया है। एसयूवी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान रखने वाली डस्टर की नई अवतार में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स, उन्नत तकनीक और अधिक केबिन स्पेस शामिल किए गए हैं। हाइब्रिड इंजन विकल्प की संभावना ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा है, जिससे बिक्री के अनुमान और मजबूत हुए हैं। डीलरशिप पर पूछताछ और बुकिंग के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह मॉडल ब्रांड को नई रफ्तार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। रेनो इंडिया की चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और देशभर में फैले सेल्स और सर्विस नेटवर्क ने भी कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी है। आसान पहुंच और भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के कारण ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ी है। जनवरी 2026 के प्रदर्शन और नए मॉडलों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी से साफ है कि रेनो इंडिया भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

इंडिगो ने बाजार में प्रभुत्व का दुरुपयोग कर प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला

-सीसीआई ने उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में इंडिगो के खिलाफ दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में गुरुवार को विमानन कंपनी इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। सीसीआई ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि इंडिगो ने बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करते हुए सेवाओं को प्रतिबंधित करके प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला है। पिछले साल 18 दिसंबर को आयोग ने बयान में कहा था कि उसने 1 से 9 दिसंबर के बीच विभिन्न मार्गों पर हवाई सेवाओं में व्यवधान के संदर्भ में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी का संज्ञान लिया है।

सीसीआई ने कहा कि हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी तय क्षमता का एक अहम हिस्सा बाजार से हटा लिया जिससे कृत्रिम अभाव उत्पन्न हो गया और अधिक मांग के समय यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा नहीं मिल सकी। आयोग ने कहा कि बाजार में वर्चस्व वाली कंपनी की ओर से ऐसे आचरण को प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत सेवाओं की आपूर्ति सीमित करना माना जा सकता है। सीसीआई के आदेश के बारे में पक्ष जानने के लिए इंडिगो को ईमेल किया गया लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या इंडिगो का यह आचरण भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत होता है। इसके मद्देनजर आयोग ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अपने महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक कार्यालय को 90 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश से पता चला कि इंडिगो ने सीसीआई को बताया है कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम आयोग को क्षेत्रीय नियामक ढांचे की पर्याप्तता या प्रभावशीलता की जांच करने का अधिकार नहीं देता है। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों में आयोग का कोई भी हस्तक्षेप अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल होगा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दोनों के भाव वायदा भाव नीचे आये। सुब घरेलू बाजार में सोने के वायदा कीमतें 1,49,00 रुपये, जबकि चांदी की 2,52,750 रुपये के करीब कारोबार रही हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोन-चांदी की कीमतों में नरमी रही। आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,098 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,948 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,53,046 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 3,964 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,082 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,51,948 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,48,455 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। गौरतलब है कि सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 10,754 रुपये फिसलकर 2,58,096 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,68,850 रुपये था। यह अनुबंध 16,131 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,52,719 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 2,58,096 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,52,719 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां ह्लदेर आए, दुरुस्त आएह्व की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दशार्ता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते- हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और ह्लमेक इन इंडियाह्व को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ह्लनिरंतर धैर्य का परिणामह्व बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दशार्ता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वाताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रूवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

संपादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

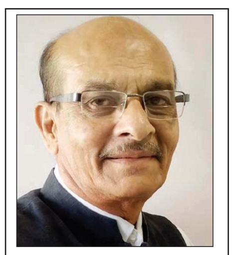

सनत कुमार जैन

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फीसदी से 90 फीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं। ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बाजार में उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। जिसके कारण बाजार में मांग घट रही है। नौकरी और रोजगार पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य बैंक इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सोने की कीमतों में तेज गिरावट जारी रहती है तो यह संकट बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोना गिरवी रखने में 75 से 90 फीसदी तक लोन गिरवी रखने वालों को दिया जाता था। बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा सोने पर लोन लिया गया है। सोने में लिए गए ऋण का असर 9 करोड़ परिवारों पर सीधे रूप से देखने को मिल रहा है। जिस मध्यम वर्ग के पास सोना है, वह अपनी जरूरतें सोना गिरवी रखकर पूरी कर रहा था। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग के ऊपर कितना दबाव है, यह उसे दर्शा रहा है। वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होने की दशा में बाजार में मांग घटेगी। आने वाले समय में इसका असर रोजगार और व्यवसाय पर पड़ेगा। देश को आर्थिक मंदी का शिकार होना पड़ सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है। रिजर्व बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंकों के पास पर्याप्त नगदी की उपलब्धता नहीं है। इसको देखते हुए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय की चिंता बढ़ गई है। सोने एवं चांदी में कर्ज किस मानक से दिया जाए, इसके लिए वित्तीय संस्थान चिंतन कर रहे हैं। वित्तीय संस्थाओं का

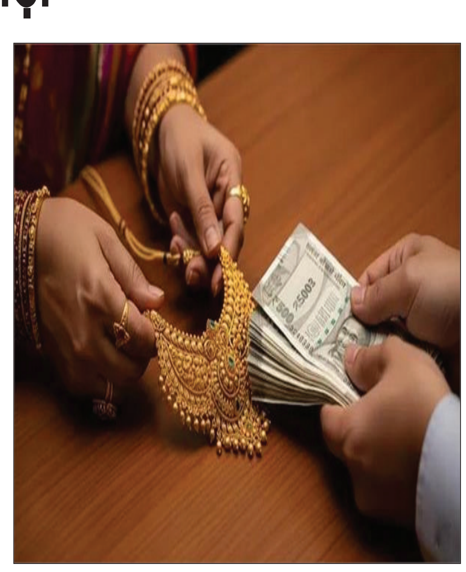

3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सोने के ऋण में फंसा हुआ है। शेयर बाजार में जिस तरीके के उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं, उसने भी रिजर्व बैंक की चिंता को बढ़ा दिया है। अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए रिजर्व बैंक अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर बदली हुई परिस्थितियों का मुकाबला किस तरह से किया जाए। किस तरह के नियम तैयार किए जाएं। जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी का शिकार होने से बचे। सरकार और रिजर्व बैंक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

सोशल मीडियाः संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

सुनील कुमार महला

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम् व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताजा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8-7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85-90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकताओं की संख्या लगभग 65-70 करोड़ (650-700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45-50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं। इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं।इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही जरूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में दंपती ने अपने ही दो बच्चों के सिर काटे, उम्रकैद की सजा मिली

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दंपती को उनके दो बच्चों की क्रूर हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मॉरिस ज्वेल टेलर सीनियर (39 वर्ष) और उनकी पत्नी नताली सुमिको ब्रॉथवेल (49 वर्ष) को सोमवार को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाईं, साथ ही अतिरिक्त छह साल की सजा भी दी गई। जज ने इस अपराध को राक्षसी करार देते हुए कहा कि यह बेहद क्रूर हरकत है, जिसमें उन्होंने अपने 13 साल की बेटी मालियाका और 12 साल के बेटे मॉरिस की हत्या की, जिसमें चाकू से वार कर सिर काट दिया गया। यह घटना 29 नवंबर 2020 को उनके घर में हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद दंपती ने अपने दो छोटे बेटों को जबरन अपने भाई-बहन के कटे हुए शव देखने के लिए मजबूर किया और उन्हें कई दिनों तक बिना खाना दिए कमरों में बंद रखा। नवंबर 2025 में जूरी ने दोनों को दो मामलों में प्रथम श्रेणी की हत्या और बच्चों के साथ क्रूरता से दुर्व्यवहार के दो मामलों में दोषी ठहराया था। पुलिस को इस मामले की जानकारी तब मिली जब टेलर, जो एक पर्सनल ट्रेनर थे और कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन जूम सेशन्स लेते थे, अचानक अपने शेड्यूल्ड मीटिंग्स में लॉग इन करना बंद कर दिया। चिंतित क्लाइंट्स ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो घर में दो बच्चों के शव अलग-अलग बेडरूम में मिले, जिन पर तेज धार वाले हथियार से हमले के निशान थे। टेलर को कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया, जबकि ब्रॉथवेल को लगभग एक साल बाद 2021 में पकड़ा गया।

कनाडा में घर पर गोली चलाने के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। जबरन वसूली विरोधी गश्त पर निकली कनाडाई पुलिस ने एक घर पर गोलीबारी करने के आरोप में तीन भारतीयों को गिरफ्तार कर उन पर मामला दर्ज किया है। सरे पुलिस सेवा ने आरोपियों की पहचान हरजोत सिंह (21), तरनवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) के रूप में की है। इन पर एक-एक बार हथियार चलाने का आरोप है। तीनों को बृहस्पतिवार 5 फरवरी तक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल 1 फरवरी की दोपहर सरे पुलिस को गोलीबारी और एक छोटी सी आग लगने की सूचना मिली। पुलिसकर्मी उस समय प्रोजेक्ट एश्योरेंस (जबरन वसूली) के हिस्से के रूप में सरे के क्रिसेंट बीच पड़ोस में गश्त कर रहे थे। उनके मौके पर पहुंचने के बाद जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी भारत के रहने वाले हैं। अभी यह साफ नहीं है कि ये किस गैंग से जुड़े हैं। मामले की जानकारी कनाडा सीमा सेवा एजेंसी को भी दे दी गई है। दोष सिद्ध होने पर इसका असर उनकी आव्रजन स्थिति पर भी पड़ सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

म्यांमार में 6 तीव्रता की भूकंप से कांपी धरती

नेपिदाव, एजेंसी। म्यांमार में मंगलवार को रात करीब 9 बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6 माफी गई। इसका केंद्र जमीन के 20 किमी नीचे था। भूकंप 20.45 डिग्री उत्तरी अक्षांश व 93.86 डिग्री पूर्वी देशांतर पर महसूस हु। हालांकि, इसमें जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाला विवादित विधेयक वापस लिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मंगलवार को विवादित सोशल मीडिया विधेयक को वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की तरफ से पेश सोशल मीडिया विधेयक 2025 की सभी तरफ आलोचना हुई थी। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करना था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने मीडिया को बताया कि मंगलवार को कैबिनेट बैठक में विधेयक वापस लेने का फैसला किया गया। आर्यल ने कहा, सरकार ने सोशल मीडिया बिल-2025 को संघीय संसद से वापस लेने का फैसला किया है। तत्कालीन संचार और सूचना मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने सोशल मीडिया साइट्स को नियंत्रित करने के मकसद से 28 जनवरी, 2025 को नेशनल असेंबली में यह विधयेक पेश किया था। ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने संसद द्वारा विधेयक पास होने से पहले ही 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित कर दिया था। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मंगलवार को संकेत दिया कि देश में आम चुनाव दो चरणों में हो सकते हैं। कार्की ने कहा, अगर मौसम ने साथ नहीं दिया तो पर्वतीय जिलों में चुनाव दूसरे चरण में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने में हर जरूरी मदद करेगी। नेपाल की पीएम ने पांच मार्च को होने वाले चुनाव में सभी से प्रतिभाग करने की अपील की।

बांग्लादेश : चुनाव से पहले बढ़ी राजनीतिक हिंसा, 11 की मौत, 616 गंभीर घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है। आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले देशभर में राजनीतिक हिंसा में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है। जनवरी महीने में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में दिसंबर 2025 की तुलना में भारी इजाफा हुआ है। यह जानकारी ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन के हवाले से स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। मानवाधिकार संगठन आइन ओ सालिश केंद्र (एएसके) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में राजनीतिक हिंसा की 75 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 616 लोग घायल हुए और 11 लोगों की मौत हो गई। इसके मुकाबले दिसंबर 2025 में 18 घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें 268 लोग घायल और चार की मौत हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 22 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और प्रचार अभियान शुरू होने के बाद हिंसक झड़पों में और तेजी आई। एएसके के अनुसार, 21 से 31 जनवरी के बीच 49 झड़पें हुईं, जिनमें चार लोगों की मौत और 414 लोग घायल हुए। इससे साफ है कि मतदान की तारीख नजदीक आते ही हिंसा बढ़ती जा रही है।

मानवाधिकार संगठन ने यह भी बताया कि बढ़ती राजनीतिक हिंसा के बीच पत्रकारों को भी निशाना बनाया जा रहा है। दिसंबर में जहां ड्यूटी के दौरान 11 पत्रकारों के साथ बाधा या हमले की

घटनाएं सामने आई थीं, वहीं जनवरी में यह संख्या बढ़कर 16 हो गई। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने यह जानकारी दी।

हिंसा पर चिंता जताते हुए एएसके ने सभी राजनीतिक दलों से संयम बरतने और चुनाव प्रचार के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया गया है। पिछले सप्ताह स्थानीय मीडिया ने बताया था कि चुनाव प्रचार शुरू होते ही उम्मीदवारों और कानून व्यवस्था से जुड़े कर्मियों को निशाना बनाकर धमकियों और हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चुनावी अभियान की शुरुआत से ही कई निर्वाचन क्षेत्रों में गोलीबारी, चाकूबाजी, तोड़फोड़ और झड़पों की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए और कुछ की जान चली गई। इसके अलावा, कई इलाकों में चुनाव से जुड़ा बुनियादी ढांचा- जैसे कैंप, माइक्रोफोन, कार्यालय, वाहन और यहां तक कि मतदान केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे- तोड़फोड़ या लूट का शिकार हुए हैं।

12 फरवरी के चुनाव से पहले बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा लगातार बढ़ रही है। जो राजनीतिक दल पहले अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ मिलकर शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की निर्वाचित सरकार को हटाने में शामिल थे, वही अब आगामी चुनाव जीतने के लिए आपसी सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं।

रूस से बंद कर अमेरिका-वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रेड डील पर ट्रंप की प्रेस सचिव का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार (02 फरवरी) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया पारस्परिक टैरिफ 18 फीसदी कर दिया। इसी के साथ लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर भी ट्रंप ने सहमति जताई है। ऐसे में अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते पर जानकारी साझा की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को अमेरिका-भारत समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। लेविट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए।

कैरोलिन लेविट ने ट्रेड डील पर क्या बताया : वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा, 'भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका

और अमेरिकी जनता को मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा, परिवहन और कृषि उत्पादों सहित अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।'

दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध: लेविट : पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत के बाद व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद की गई है। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप सभी ने देखा, राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की; दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

ग्रीस में बड़ा हादसा: ग्रीक कोस्ट गार्ड के जहाज से टकराई अप्रवासियों की नौका

चियोस, एजेंसी। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने मंगलवार को बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे। हालांकि अभी बचाव अभियान जारी है, जिसमें चार गश्ती जहाज, एक हेलीकॉप्टर और डाइवर्स वाली एक निजी नाव शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति को कंबल में लपेटकर कोस्ट गार्ड की नाव से लेकर एंबुलेंस में डाला जा रहा था, और दो बच्चों को भी वहां ले जाया गया। कोस्ट गार्ड ने यह भी बताया कि अभी टक्कर कैसे हुई और मरने वालों की पहचान कौन है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

यूरोपीय संघ में प्रवेश का ग्रीस मुख्य रास्ता : बता दें कि ग्रीस यूरोपीय संघ में प्रवेश का मुख्य रास्ता है, खासकर

उन लोगों के लिए जो युद्ध और गरीबी से भागकर आते हैं। इस रास्ते पर सुरक्षा की कमी और तेज समुद्र के कारण कई बार हादसे होते रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्रीस और यूरोपीय संघ की कई देश माइग्रेशन नियम कड़े कर चुके हैं।

इसमें डिपोर्टेशन तेज करना और हिरासत बढ़ाना शामिल है। इतना ही नहीं यूरोपीय देशों में माइग्रेशन पर लगातार बहस होती रहती है। कुछ देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों का दबदबा बढ़ा है, और नियम सख्त हो गए हैं। इसके चलते आसाइलम लेने वालों की संख्या अब पहले जैसी नहीं रही।

फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार, 7 मई सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल 2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है।

फ्लाइट में महिला यात्री से गंदी हरकत : वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को

रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है।

हाथ हटाने के बाद भी बार-बार छू रहा था शख्स : अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा। बगल वाली सीट पर बैठी थी महिला एफबीआई के विशेष एजेंट मार्क एस्पोसिटो की ओर से अदालत में दायर हलफनामे के अनुसार अरोड़ा गलियारे वाली सीट पर बैठा था, जबकि पीड़ित उसके बगल वाली बीच वाली सीट पर सो रही थी। हलफनामे के मुताबिक महिला ने अरोड़ा को अपने प्राइवेट पार्ट को छूने का पहली बार अनुभव करने के बाद खुद को उससे दूर करने की कोशिश की और उसका हाथ हटा दिया। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और फिर से छूने की कोशिश करने लगा। तस्वीर खींचकर एयरलाइंस को दी सूचना हलफनामे के अनुसार, विमान से उतरते समय उसने उसकी एक तस्वीर ली और अगले दिन इस घटना की सूचना अमेरिकन एयरलाइंस को दी। एफबीआई ने मामले की जांच की और पुष्टि की है कि पीड़ित और संदिग्ध उड़ान में एक दूसरे के बगल में बैठे थे। आंशिक रूप से पीड़ित द्वारा ली गई संदिग्ध की तस्वीर की तुलना अरोड़ा के ड्राइविंग लाइसेंस पर मौजूद तस्वीर से करके। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष अक्टूबर में उन पर आरोप तय किए गए थे।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, स्टीफन मिरान ने छोड़ा सीईए के चेयरमैन का पद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

सितंबर 2025 में स्टीफन मिरान की हुई थी नियुक्ति : दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक

इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैं। फेड एक गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है। लेकिन मिरान ने व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़ी नहीं थी, बल्कि बिना वेतन छुट्टी पर थे। इसी वजह से इस व्यवस्था पर सवाल उठे। स्टीफन मिरान ने पहले ही सीनेट से वादा किया था कि अगर वह 31 जनवरी के बाद फेड बोर्ड में बने रहते हैं, तो वे सीईए से इस्तीफा दे देंगे। अब उन्होंने वही किया है। इस पूरे घटनाक्रम से फेडरल रिजर्व में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने केविन वार्श को मौजूदा फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की जगह लेने के लिए नामित किया है। जेरोम पॉवेल का चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल 15 मई को खत्म हो रहा है। लेकिन फेड के नियमों में एक 'तकनीकी रास्ता' है।

लीबिया में मारा गया गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम, 15 साल पहले पिता की हुई थी हत्या

ट्राइपोलि, एजेंसी। लीबिया के पूर्व शासक मुअम्मर गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी, मंगलवार को एक हमले में मारा गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उनकी टीम के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि मुअम्मर गद्दाफी के बेटे की मंगलवार को पश्चिमी लीबिया में हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम के घर में घुस आए चार अज्ञात बंदूकधारियों के साथ उनकी सीधी मुठभेड़ हुई और इस दौरान उनकी मौत हो गई। गद्दाफी के करीबी नेता अब्दुल्ला ओथमान अब्दुर्रहीम ने फेसबुक पर इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने दोपहर में जिंटान शहर में गद्दाफी के आवास पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने कथित तौर पर मुठभेड़ से पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे हमलावरों की पहचान पता नहीं चल पाई। वहीं सैफ अल-इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ पाई है। सैफ की टीम ने लीबियाई कोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हमले की जांच करने, अपराधियों की पहचान करने और इस ऑपरेशन की योजना बनाने वालों को जवाबदेह ठहराने की अपील की है।

कौन थे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी : लीबिया में 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के बाद भी सैफ यहां एक अहम नेता बने रहे। बता दें कि इस विद्रोह में उनके पिता मुअम्मर गद्दाफी मारे गए थे। गद्दाफी ने चार दशकों से अधिक समय तक

लीबिया में राज किया था। सैफ ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की थी और उन्हें कभी कई सरकारों द्वारा लीबिया का स्वीकार्य, पश्चिमी-अनुकूल चेहरा माना जाता था। कोई आधिकारिक पद ना होने के बावजूद, सैफ अल-इस्लाम को एक समय मेरा तेल समृद्ध उत्तरी अफ्रीकी देश में अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी के बाद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम ने कई उच्च-स्तरीय, संवेदनशील राजनयिक मिशनों में मध्यस्थता की। उन्होंने पश्चिम के साथ संबंध बनाए और खुद को एक सुधारक के रूप में पेश किया। साथ ही सैफ ने संविधान और मानवाधिकारों के सम्मान का भी आह्वान किया। हालांकि जब 2011 में गद्दाफी के लंबे शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ, तो सैफ अल-इस्लाम ने अपनी दोस्ती के बजाय परिवार और कबीले की वफादारी को चुना और विद्रोहियों पर क्रूर कार्रवाई का मास्टरमाइंड बन गया। 2015 में, त्रिपोली की एक अदालत ने सैफ अल-इस्लाम को युद्ध अपराधों के लिए फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा सुनाई। इसके बाद 2017 में एक माफी कानून के तहत मिलिशिया द्वारा रिहा किए जाने के बाद से, सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी अंडरग्राउंड होकर जिंटान में रह रहे थे।

55 लाख का गियर पहनता है बलूच विद्रोही, पाक सेना के पास वैसे हथियार नहीं; रक्षा मंत्री का कबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में नेशनल असेंबली (संसद) में बलूचिस्तान की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के दौरान एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बलूच विद्रोही- मुख्य रूप से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके पाकिस्तानी सेना से ज्यादा एडवांस और महंगे हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं और पाकिस्तानी सेना के पास ऐसे हथियार नहीं हैं। संसद में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने हथियारों की कीमतों का हवाला देते हुए अपनी सेना की लाचारी बताई। उन्होंने कहा कि इन विद्रोहियों के पास ऐसी राइफलें हैं जिनकी कीमत 20 लाख रुपये (पाकिस्तानी रुपया) से अधिक है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा- हमारे पास ऐसी राइफलें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विद्रोही 4,000 से 5,000 डॉलर की कीमत वाले थर्मल वेपन साइट्स और लेजर सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वे रात के अंधेरे में भी सटीक निशाना लगा सकते हैं। पाक रक्षा मंत्री के मुताबिक, एक औसत बलूच विद्रोही का पूरा कॉम्बैट गियर (युद्धक साज-सज्जा) लगभग 20,000 डॉलर (करीब 55 लाख पाकिस्तानी रुपये) का है।

शारीरिक रूप से अक्षम सेना : ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान का विशाल भूगोल पाकिस्तानी सेना के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रांत पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 40% से अधिक है। उन्होंने कहा- इतने बड़े क्षेत्र को नियंत्रित करना किसी घनी आबादी वाले शहर को संभालने से कहीं ज्यादा मुश्किल है। हमारे सैनिक सक्रिय हैं, लेकिन इतने बड़े इलाके की गश्त और रखवाली करने में वे शारीरिक रूप से अक्षम साबित हो

रहे हैं। यह बयान बलूचिस्तान में हुए हालिया भीषण हमलों के बाद आया है। जनवरी के अंत और फरवरी 2026 की शुरुआत में बीएलए ने पूरे प्रांत में ऑपरेशन हेरोफ के तहत समन्वित हमले किए। बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ 2.0' के तहत कई शहरों, जैसे- क्वेटा, ग्वादर, मस्तुंग, नुश्की, खुजदार आदि में पुलिस स्टेशन, सुरक्षा ठिकानों, नागरिक घरों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक साथ हमले किए। इन हमलों में महिला फिदायीन हमलावर भी शामिल थीं, जैसे आसिफा मेंगल और हवा बलोच।

बीएलए ने मचाया कोहराम : इन झड़पों में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग 17 सुरक्षाकर्मी और 33 नागरिक मारे गए, जबकि पाकिस्तान ने 177 विद्रोहियों को मार गिराने का दावा किया है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी चिंता जताई कि अब विद्रोहों में महिलाओं का इस्तेमाल आत्मघाती हमलावरों (जैसे 'मजीद ब्रिगेड') के रूप में किया जा रहा है। हालांकि बीएलए ने दावा किया है उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कई बंधक बनाए। यह बलूचिस्तान में हाल के दशकों का सबसे बड़ा और सबसे घातक संघर्ष माना जा रहा है।

कहां से आ रहे हथियार : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इन आधुनिक हथियारों (विशेषकर अमेरिकी निर्मित हथियारों) की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ये हथियार अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी जखीरे से आ सकते हैं। उन्होंने हमेशा की तरह इस अशांति के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का दावा किया, हालांकि इसके लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की तस्करी और आपराधिक नेटवर्क इन विद्रोहियों को फंड मुहैया करा रहे हैं।

क्या आपको भी चाहिए एसे बाल

स्वस्थ और खूबसूरत बाल पर्सनेलिटी में निखार लाते हैं। ऐसे बालों के लिए अपनाएं ब्यूटी एक्सपर्ट काजल जैमन के बताए ये टिप्स।

- शैंपू हमेशा बालों की प्रकृति के अनुरूप ही उपयोग में लाएं।
- बालों की प्रकृति जानने के लिए अपनी ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद ले सकते हैं।
- गीले बालों को शुरू में उंगलियों की मदद से और बाद में चौड़े दांतों वाले ब्रश से सुलझाएं।
- हेयर ड्रायर करते समय गीले बालों को तौलिए से न रगड़ें। रगड़ने से बाल टूटते और उलझते हैं।
- ज्यादा ब्रशिंग न करें। अधिक ब्रशिंग से तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल निकालने लगती हैं, जिससे डैन्ड्रफ होने का खतरा रहता है।
- अधिक से अधिक हर्बल प्रॉडक्ट उपयोग में लें।
- धूप, धूल और धुएं से बालों को बचाएं।
- गरम पानी से बालों को न धोएं।
- 1 से 2 माह के बीच बालों की ट्रिमिंग जरूर करवाएं।
- सोते समय बालों को कसकर न बांधें।
- बाल सुंदर रहें, इसके लिए संतुलित डाइट लें। पानी तो जितना पिएं, उतना ही अच्छा। प्यास न हो, तो भी पानी पिएं और तनाव न पालें।
- घर में हेयर पैक बनाकर लगा सकते हैं। समान मात्रा में मुल्तानी मिट्टी, पिसी मेथी, आंवला पाउडर और सरसों का पेस्ट बनाकर मेहंदी की तरह लगाएं। 25 से 35 मिनट बाद बाल धोएं।

- बालों के लिए नारियल और सरसों का तेल सुरक्षित रहता है। तेल हमेशा रात में ही लगाएं तथा सुबह शैंपू से धो लें। शैंपू लगाते समय भी सिर पर मसाज करें। एकदम से सिर न धोएं। कम से कम 3 या 4 मिनट तक शैंपू को बालों में लगाकर छोड़ दें। परन्तु यह बात हमेशा ध्यान रहे कि शैंपू बालों में रहना नहीं चाहिए। पानी से शैंपू अच्छी तरह से निकालें। बालों की कंडीशनिंग के लिए 15 से 20 मिनट तक मेहंदी लगाकर धो लें।

वेजटेबल ग्रीन करी

सामग्री : 100 ग्राम मिली-जुली सब्जियां ब्लैंच की हुई और कटी हुई (ब्रॉक्ली, गाजर, फ्रेंच बींस, फूलगोभी, मशरूम, थाई बैगन व स्प्रिंग अनियन), स्वादानुसार नमक व चीनी, 100 ग्राम कोकोनट मिल्क, 150 ग्राम कोकोनट पाउडर, 1 टी स्पून कटा हुआ लहसुन, 1 टी स्पून ग्रीन करी पेस्ट (बाजार में उपलब्ध है), 1 टी स्पून तेल, 3 टुकडे थाई अदरक, 3 टुकडे लेमन ग्रास, 1 टी स्पून कटी हुई थाई काफर लाइम लीव्स, 100 मिली. वेजटेबल स्टॉक।

विधि : एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। अदरक-लहसुन डालकर भूनें। फिर ग्रीन करी पेस्ट डालकर चलाएं। सभी ब्लैंच की हुई सब्जियां व लेमन ग्रास डालकर 2-3 मिनट तक भूनें।

वेजटेबल स्टॉक, कोकोनट मिल्क, नमक व चीनी डालकर 1 मिनट तक पकाएं। गाढा करने के लिए कोकोनट पाउडर मिलाकर चलाएं। थाई काफर लाइम लीव्स से सजाकर गरमागरम सर्व करें।

बड़े काम की छोटी-छोटी बातें

- मेथी की कड़वाहट कम करने के लिए उसमें थोड़ा सा नमक लगा दें।
- चावल बनाते समय उनमें थोड़ा सा नींबू का रस मिला दें। चावल एकदम सफेद और खिले हुए बनेंगे।
- पुलाव बनाते समय अन्य मसालों के साथ थोड़े से संतरे के सूखे छिलकों का पाउडर भी भून लिया जाए तो पुलाव में अनोखी सुगंध आ जाएगी।
- सलाद बनाने से पहले फल-सब्जियों को फ्रिज में रख दें। इससे वे सख्त हो जाएंगी फिर आप मनचाहे आकार में काट सकती हैं।
- मशरूम को अधिक सफेद पकाने के लिए उसमें एक चम्मच नींबू का रस डाल दें।
- पापड़ को पॉलिथीन में डालकर एयरटाइट डिब्बे में बंद करके फ्रिज में रख दें। एकदम ताजे बने रहेंगे।
- बर्तन आपस में फँस जाएं तो ग्लिसरीन लगाने से आसानी से निकल जाते हैं।
- काँच टूट जाने पर उसे गूंथे हुए आटे से उठाइए। बारीक से बारीक काँच भी उस आटे में चिपक जाएगा।
- अगर बर्तन काला पड़ गया हो तो उसमें आलू के छिलके डालकर पानी में उबालें। फिर साबून और गर्म पानी से धो लें।
- आधा कप लौंग के तेल में आधा चम्मच हल्दी मिला दें। रात को सोने से पहले इसी मिश्रण से हाथों की मालिश करें। हाथ मुलायम और गोरे हो जाएंगे।

पोशाक का चयन करें कुछ इस तरह से-

- कुछ भी खरीदने से पहले अच्छी तरह जांच लें कि उस का रंग व डिजाइन आप पर सूट करेगा या नहीं।
- पोशाक आप पर फब रही है या नहीं, यह देखने के लिए पोशाक को तेज रोशनी में यदि हो सके तो सूरज की रोशनी में खुद पर लगा कर देखें। चाहें तो ट्राईरूम में पहन कर भी देख सकती हैं। यदि दुकान में शीशा या चेंजिंगरूम न हो तो किसी और की राय लें।
- यदि कोई साड़ी या सूट आप ले आई हैं जिस का रंग आप पर नहीं फबता तो उस के साथ किसी ऐसे रंग के दुपट्टे या ब्लाउज का कंट्रास्ट बनाएं, जो आप पर खिले।
- काले रंग को टरक्वायज के साथ मैच करें बहुत फबेगा।
- अपना स्किनटोन जांचने समय मेकअप न करें। यदि किया है तो उसे साफ कर लें एवं पारदर्शी बल्ब के नीचे खड़ी हों। फ्लोरोसेंट या रंगीन रोशनी भ्रम पैदा करती है।

कूल-कूल समर

गर्मियों में ट्रेंडी दिखने और कूल रहने के लिए फैब्रिक्स और कलर्स के बारे में बता रही हैं फैशन डिजाइनर नम्रता शर्मा।

- ड्रेस सीजन में स्किन टाइट कैप्रीज, स्लीवलैस डीप नैकलाइन टॉप के साथ ट्रैंड में रहेंगे।
- फैब्रिक्स में इस बार भी सॉफ्ट क्रिंकल शिफॉन, लिनन औश्र कॉटन की बहार रहेगी। कॉटन में प्लेन डाईड शर्ट और ट्यूनिक पहन सकती हैं। शिफॉन में फ्लावर प्रिंट्स, बेबी प्रिंट्स सूदिंग लुक देते हैं।
- कैप्रीज में आप डेनिम, कॉटन और लिनन ट्राई कर सकती हैं। इस सीजन में कैप्रीज कई तरह की वैरायटी में देखने को मिलेगी। डॉट्स और स्ट्राइप्स वाली प्रिंटेड केप्री भी पहन सकती हैं। अच्छा महसूस करेंगी।
- टॉप्स में इस बार ट्यूनिक्स और शर्ट्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। ट्यूनिक्स के साथ चौड़ी बैल्ट पहनें। इससे बॉडी शेप आकर्षक लगती है। मोटी हैं, तो बेल्ट न पहनें।

- पूरी बांहों की ढ़ीली शर्ट पहनें। इसमें थ्री-फोर्थ स्लीव्स भी ट्राई कर सकती हैं।
- ऐसी शर्ट स्किन टाइट जींस के साथ स्मार्ट लुक देगी। साथ में बड़े साइज की एंटीक लुक वाली बैल्ट पहनें। चौड़े बैल्ट्स और बड़े बकल्स इन दिनों खास पसंद किए जा रहे हैं।
- आप सूट पहनना पसंद करती हैं, तो छोटे प्रिंट का फैब्रिक ठीक रहेगा। लाइट कलर्स जमेंगे। इन दिनों शॉर्ट कुर्ते के साथ चूड़ीदार खास तौर से पसंद किया जा रहा है। 70 दशक के सलवार सूट का फैशन फिर से पसंद किया जा रहा है।
- स्पोर्टी लुक में इस बार कॉलर शर्ट के साथ स्लीवलैस जर्सी ट्रेंड में है। इसे आप कॉन्ट्रास्ट मैचिंग करके पहनें। जैसे व्हाइट शर्ट पहनना है, तो उसके साथ डार्क ग्रीन या ब्लैक कलर की स्ट्राइप्स वाली जर्सी पहनें।
- ज्योमैट्रिकल प्रिंट्स की बहार रहेगी। इस प्रिंट का फैब्रिक गर्ल्स और बॉयज दोनों को लुभाएगा।
- शॉर्ट और मिनी स्कर्ट्स में कूल फील करेंगी। इनमें पिंक और व्हाइट कलर लें। डेनिम के साथ लइक्रा की स्कर्ट्स भी ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स में नेवी-व्हाइट और ऑफ व्हाइट ब्राउन का कॉम्बिनेशन जमकर चलेगा। लाइट वेट लिनन शर्ट के साथ नेवी या स्काई कलर की जींस पहनें।
- अगर हाइट कम है, तो केप्री की बजाय लॉन्ग जींस पहनें और यदि हाइट अच्छी है, तो दोनों ट्राई कर सकती हैं। लेकिन, ज्यादा लंबी और पतली हैं, तो केप्री पहनें। इससे आपकी हाइट कम लगेगी।
- हिप-लैंथ और नी-लैंथ ट्यूनिक्स कई तरह के स्टाइल्स में उपलब्ध हैं। इन्हें अपनी पर्सनेलिटी और प्रोफेशन के हिसाब से चुनें। लंबी हैं, तो भी नी लैंथ ट्यूनिक पहनें। इसके साथ केप्री की बजाय लॉन्ग जींस अच्छी लगेगी। स्किन टाइट जींस न पहनें।
- कॉलर्स वाली नैकलाइन फैशन में रहेगी। ट्यूनिक्स और लॉन्ग शर्ट दोनों में कलर्स के सभी स्टाइल्स ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स वाली नैकलाइन फैशन में रहेगी। ट्यूनिक्स और लॉन्ग शर्ट दोनों में कॉलर्स के सभी स्टाइल्स ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स के मैटेलिक और एंटीक लुक ट्रैंड में रहेगा। कई डिजाइनर्स ने मैटेलिक और एंटीक कलर्स में अपने कलेक्शन लॉन्च किए हैं, जो काफी पसंद किए जा रहे हैं। यदि आप आर्ट या फिर किसी भी क्रिएटिव फील्ड से जुड़ी हैं, दोनों कलर्स अच्छा लुक देंगे।
- व्हाइट कलर सदाबहार है। इसे आप कई रंगों के साथ मिक्स-मैच करके पहन सकती हैं। जैसे ब्ल्यू, पिंक, मजेंटा, टॉमेटो रैड, ब्लैक आदि।
- स्कर्टस में रैप-रॉन चलन में है। इन्हें आप हिप-लेंथ के कुर्ते और स्टॉल के साथ पहनें। फ्रिल वाली स्कर्ट्स आउट ऑफ फैशन हो गई हैं।
- चंकी ज्वैलरी इस बार भी आर्टिस्टिक लुक के साथ काफी पसंद की जा रही है।
- छोटे साइज के बैग आउट-ऑफ फैशन हो गए हैं। बड़े बैग्स में वेल्वेट, कॉर्डरॉय, खादी चलन में है। फुटवियर्स में आप फ्लावर डिजाइन की बेलीज पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1979

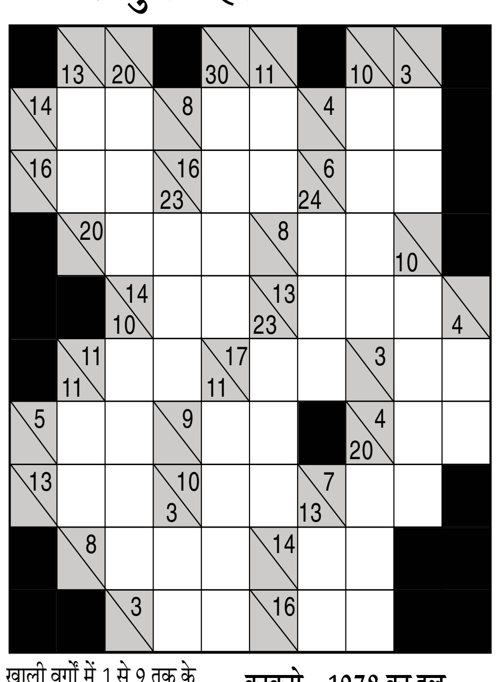

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

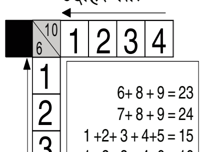

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1978 का हल

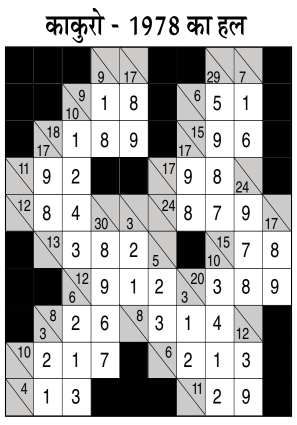

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है, कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा- मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली- 1979

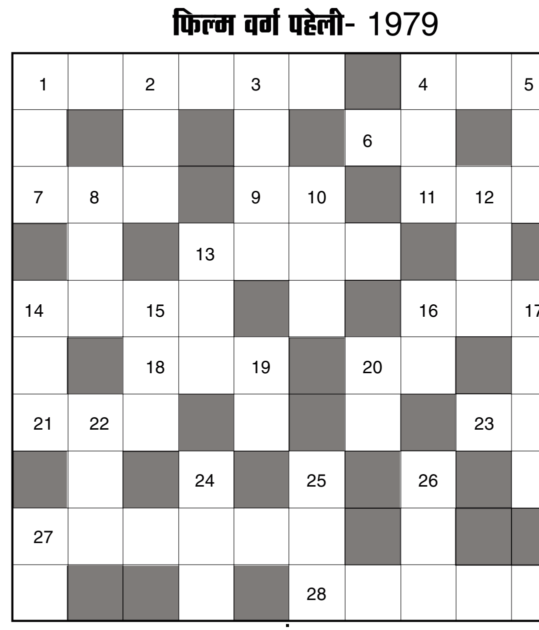

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1978

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

सूडोकु -1979

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1978 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1979

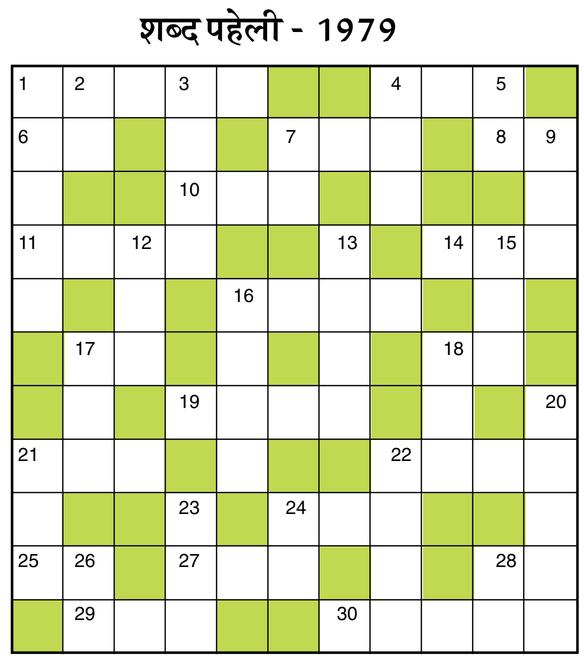

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली - 1978 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

यूपी बोर्ड परीक्षाएं नकलविहीन कराने के लिए कड़ा पहरा, केंद्रों पर लगेंगे जैमर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं को पूर्णतः नकलविहीन, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक कर स्पष्ट किया कि परीक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मुख्य सचिव ने बताया कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच प्रदेश के सभी जनपदों में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी युक्त वॉयस रिकॉर्डर पूर्णतः क्रियाशील रहें तथा राज्य और जनपद स्तर पर कंट्रोल व मॉनीटरिंग सेंटर स्थापित किए जाएं। परीक्षा कार्य में लगे सभी कार्मिकों का प्रशिक्षण समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि पूर्व अनुभवों के आधार पर आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़, बलिया, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोण्डा सहित 18 जनपदों को संवेदनशील घोषित किया गया है।

एयरोस्पेस में नवाचार को नई उड़ान, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन

वडोदरा। भारत के एयरोस्पेस क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) और एयरबस की साझेदारी में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का वडोदरा में उद्घाटन किया गया। यह केंद्र सतत विमानन ईंधन (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल–एसएएफ) और भविष्य की एयरोस्पेस तकनीकों पर अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनेगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन एयरबस इंडिया एवं साउथ एशिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जर्गेन वेस्टरमायर ने किया। इस अवसर पर राजमाता शुभांगिनीराजे गायकवाड़, जीएसवी की कोर्ट सदस्य तथा प्रो. (डॉ.) मनोज चौधरी, कुलपति (गति शक्ति विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। एयरबस के अध्यक्ष जर्गेन वेस्टरमायर ने इस अवसर पर कहा कि यह केंद्र भारत में एक सशक्त एयरोस्पेस इकोसिस्टम के साथ ही निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नगर ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) को सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल में बदलने जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर अनुसंधान एयरबस की नवाचार प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को मजबूती प्रदान करेगी।

ममता बनर्जी पर भाजपा का निशाना-चुनाव आयोग को खुले तौर पर धमका रही हैं मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे एक संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को खुले तौर पर धमकाने का काम कर रही हैं जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर ममता बनर्जी डरी हुई हैं। वे आगामी चुनाव को लेकर हताश हो गई हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि तृणमूल कांग्रेस के कारण देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरा हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया देश के 12 राज्यों में चल रही है लेकिन हंगामा केवल पश्चिम बंगाल से ही क्यों हो रहा है? वर्ष 2005 में स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि पूरी मतदाता सूची बांग्लादेशियों से भरी हुई है। वही नेता अब दिल्ली में एसआईआर का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसी राज्य की मुख्यमंत्री एक संवैधानिक संस्था का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल कर रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के कारण देश की आंतरिक सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है। वर्ष 2016 से अब तक राज्य में 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की जा चुकी है।

संसद में विपक्ष की आवाज़ दबाना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरोप लगाया है कि संसद में विपक्ष के नेता की आवाज़ को लगातार दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की भावना के खिलाफ और अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल के इस रवैये की निंदा की है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में उल्लिखित तथ्यों का हवाला देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल उठाए थे। यह पुस्तक 2024 में प्रकाशित होने वाली थी, लेकिन केंद्र सरकार की अनुमति न मिलने के कारण अब तक प्रकाशित नहीं हो सकी है। हाल ही में कारवां पत्रिका में इसके कुछ अंश प्रकाशित हुए हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि जनरल नरवणे ने कारवां में प्रकाशित तथ्यों से इनकार नहीं किया है, बल्कि सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि वे अपनी पुस्तक के प्रकाशन के लिए सरकार की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। यदि पुस्तक में तथ्यात्मक त्रुटियां या असत्य बातें होतीं, तो केंद्र सरकार को इसके प्रकाशन की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी। सरकार की चुप्पी यह संकेत देती है कि सच्चाई को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पुस्तक में 2020 में चीन सीमा पर हुई झड़पों के दौरान केंद्र सरकार की निर्णयहीनता का उल्लेख है।

बीजेपी नेताओं ने 'गद्दार' वाली टिप्पणी पर राहुल गांधी की आलोचना की, कहा कि सिख समुदाय आहत हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित 'गद्दार' वाले बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह बयान सिख समुदाय के लिए अपमानजनक है और सशस्त्र बलों का भी अनादर करता है। साथ ही, नेताओं ने कांग्रेस पार्टी के पुराने फैसलों और विदेशी संबंधों पर सवाल उठाए। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह बातचीत टीवी पर साफ तौर पर दिखाई दी थी और 'गद्दार' जैसे शब्द का मतलब बहुत गंभीर होता है। उन्होंने कहा, 'अंग्रेजी में 'ट्रेटर' का मतलब होता है देश से गद्दारी करने वाला। हमारी सिख कम्युनिटी देश की आबादी का सिर्फ 1.5 से 2 प्रतिशत है। लेकिन, सशस्त्र बलों में हमारी भागीदारी करीब 20 प्रतिशत है। इसके बावजूद सेना के खिलाफ बार-बार बयान दिए जाते हैं।' सिख मूल्यों का ज़िक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सिख

धर्म मानवता, समानता और सेवा की भावना पर आधारित है। उन्होंने 1984 के गोल्डन टेंपल से जुड़े घटनाक्रम का हवाला देते हुए कहा कि देश जानता है कि उस समय क्या हुआ था और इसके लिए कौन जिम्मेदार था। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध किया, जबकि यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में प्रताड़ित सिखों को नागरिकता देने से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'जो लोग सीएए का विरोध कर रहे थे, वही आज दूसरों को 'गद्दार' कह रहे हैं। उन्हें यह बताना चाहिए कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ कौन सा समझौता किया गया था और उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से फंड किस खाते में मिला।' दिल्ली बीजेपी विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि राहुल गांधी के इस बयान से देश भर का सिख समुदाय आहत और नाराज़ है। उन्होंने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस व्यक्ति के दादा ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी, उसी को गद्दार कहा जा रहा है, जबकि देश को बांटने वाली आवाज़ों को बढ़ावा दिया जा रहा है।' अरविंदर सिंह लवली ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास सिख नेताओं और सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला रहा है।

प्रधानमंत्री ने युमनाम खेमचंद को मणिपुर का मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज युमनाम खेमचंद सिंह को मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नेमचा किपगेन और लोसी दिखो को राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने पर भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कोंथौजम गोविंददास सिंह और खुराईजम लोकेन सिंह को मणिपुर सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने पर भी बधाई दी। नए नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वे मणिपुर के भाइयों और बहनों के लिए विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने की दिशा में लगन से काम करेंगे। एक एक्स पोस्ट में मोदी ने कहा, 'युमनाम खेमचंद सिंह को मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। मैं नेमचा किपगेन और लोसी दिखो को राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर और कोंथौजम गोविंददास सिंह के साथ-साथ खुराईजम लोकेन सिंह को मणिपुर

सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई देना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि वे मणिपुर के मेरे भाइयों और बहनों के लिए विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने की दिशा में लगन से काम करेंगे।'

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित अन्य मंत्रियों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना करते हुए इसे वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि का एक नया आधार स्तंभ करार दिया।प्रधानमंत्री मोदी एक्स पर कहा, 'आज अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करके बहुत अच्छा लगा। यह जानकर बेहद खुशी हुई कि अब भारत में निर्मित उत्पादों पर टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है और पारस्परिक लाभकारी सहयोग के अपार अवसर खुलते हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प का नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत शांति के लिए उनके प्रयासों का पूर्ण समर्थन करता है। मैं उनके साथ मिलकर काम करने और हमारी साझेदारी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तत्पर हूं।' अमित शाह ने कहा कि इससे मजबूत व्यापारिक संबंधों और आपसी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस ऐतिहासिक समझौते के लिए, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा। दोनों देशों और उनकी जनता को व्यापक लाभ पहुंचाएगा, भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और भी फलेगा-फूलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त मंत्री ने इसे मेड इन इंडिया उत्पादों के लिए बड़ी खुशखबरी बताते हुए कहा कि इससे दोनों बड़े लोकतांत्रिक देशों के लोगों को सीधा लाभ होगा।केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्होंने वस्त्र उद्योग पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया और कहा कि इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि भारत अमेरिका में अपने कुल बाजार का लगभग 28-30 प्रतिशत हिस्सा खो रहा था, जिसे अब पुनः प्राप्त किया जा सकेगा। भारत की 18 प्रतिशत की दर बांग्लादेश (20 प्रतिशत) और वियतनाम (19-20 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धियों से कम है, जो भारतीय परिधानों को अमेरिकी बाजार में ज्यादा सस्ता और आकर्षक बनाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि ऐतिहासिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादकों को वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। लगभग 18 प्रतिशत की कम टैरिफ दरों से युवाओं, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। एक मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को गति देगी। पहले यूरोपीय देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता और अब भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक बड़ी उपलब्धि है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने बजट को बताया ऐतिहासिक, कहा विकसित भारत की नींव करेगा मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के पेश किए गए बजट को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत की नींव को मजबूत करता है। दिल्ली पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि यह आम बजट दुरगामी, दुरदर्शी और विकसित भारत की नींव को सुदृढ़ करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि निर्मला सीमारण का लगातार 9वीं बार बजट पेश करना इस बात को दर्शाता है कि भारतीय बजट एक सुरक्षित हाथों में हैं। इस बजट में हर वर्ग के लिए बहुत कुछ है। एक साल के इस बजट में अगले 25 साल का विजन और पांच साल का प्लान है क्योंकि युवा शक्ति को इस बजट का केन्द्र बिंदु बनाया गया है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि इस बजट में आई.टी. सेक्टर के लिए बहुत कुछ है। इलेक्ट्रॉनिक समानो के मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 40,000 करोड़ रुपये का बजट का प्रावधान किया गया है। इस बार बजट में सरकार ने विदेशी क्लाउड कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए बड़ा एलान किया है। विदेशी क्लाउड कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर लगाने पर 2047 तक टैक्स

छूट देने का प्रस्ताव रखा गया है। भाजपा सांसद ने कहा कि भारत विस्तार एक ऐसा एआई प्लेटफॉर्म है जहां देश के किसान भी फसलों से संबंधित जानकारी भी समयानुसार ले सकते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि 'ऑरेंज इकोनॉमी' एक प्रकार नया उभरता हुआ सेक्टर हैं जो युवाओं को सबसे ज्यादा आकर्षित करता है और इसी को ध्यान में रखते हुए अटल टिंकरिंग लैब्स की तर्ज पर यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत के 15000 स्कूलो में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी। 'ऑरेंज इकोनॉमी' में मुख्य रुप से फिल्में, संगीत, गेमिंग, फैशन, डिजाइन, एनिमेशन, डिजिटल सामग्री, विज्ञापन, प्रकाशन और यहां तक कि सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस बजट में 23 फीसदी यानि 2.2 लाख करोड़ रुपये इन्फ्रास्ट्रक्चर और जॉब क्रिएचर पर मुख्य रुप से फोकस किया गया है। युवा शक्ति को जॉब सिकर की बजाय जॉब क्रिएटर बनने की भूमिका निभाने का प्रावधान भी किए गए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि जब हम युवाओं की बात करते हैं तो उसमें देश की बच्चियां भी शामिल है और इस बजट में यह प्रावधान किया गया है।

डीयू में 'एप्लीकेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हेल्थ साइंसेज' ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने चिकित्सा क्षेत्र में एआई के बढ़ते प्रभाव को लेकर 'एप्लीकेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हेल्थ साइंसेज' नाम से ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि भविष्य में टेक्नोलोजी ओरिएंटेड़ डॉक्टरों की जरूरत है, इसलिए ऐसे कोर्स होने चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन के साथ-साथ ऐसे वीकेंड ऑफ लाइन कोर्स भी शुरू किए जाने चाहियें। कुलपति ने कहा कि जैसे कंप्यूटर आने पर लोगों को काम छीनने की चिंता हुई थी, वैसे ही एआई को लेकर कुछ लोग चिंता करते हैं कि यह रोजगार छीन लेगा। लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, इसके साथ बहुत से रोजगार विकसित होंगे, पूरी तरह से एआई पर निर्भर नहीं हो सकते।

मानवीय कार्यों को पूरी तरह से हटाया नहीं जा सकता। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि मशीन में समझ तो आ सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं इसीलिए सभी कार्य मशीन आधारित नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि समझ की समझ को विकसित करना ही शिक्षा है।इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी, डीन अकादमिक प्रो. के. रत्नाबली, डीयू की रिसर्च, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल के चेयरपर्सन प्रो. दिनाबंधु साहू, कोर्स डायरेक्टर प्रो. दमन सलूजा, कोर्स जॉइंट डायरेक्टर प्रो. नवीन कुमार और कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. अंकित राजपाल सहित कई लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि डीयू की रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल के तत्वावधान में चलाया जाने वाला यह कोर्स आठ मॉड्यूल में होगा। यह कोर्स सौ प्रतिशत ऑनलाइन मोड में होगा, जिसकी अवधि 15 सप्ताह (शनिवार और रविवार, हर दिन 2 घंटे) होगी। कोर्स में प्रति बैच 50 सीटें रखी गई हैं। कोर्स के लिए अनिवार्य योग्यता सीएस, आईटी, इंजीनियरिंग, गणित, सांख्यिकी या लाइफ साइंसेज एवं हेल्थकेयर (एमबीबीएस, नर्सिंग, फार्मेसी) में बैचलर है। इस कोर्स का प्राथमिक उद्देश्य स्वास्थ्य विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों में व्यापक आधार प्रदान करना है, जिससे प्रतिभागियों को मेडिकल एआई सिस्टम को डिजाइन करने, मूल्यांकन करने और व्याख्या करने में सक्षम बनाया जा सके और इसके साथ ही इंटरडिसिप्लिनरी समस्या-समाधान, नैतिक जागरूकता और अनुवाद संबंधी प्रभाव को बढ़ावा दिया जा सके।

सस्पेंड लेक्चरर ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखा- पुलिस ने मेरी इरादतन हत्या की है

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी के महेश नगर इलाके में बुधवार शाम एक सस्पेंडेड लेक्चरर ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मनोहर लाल भादू (35) के रूप में हुई है, जो जालोर के सांचौर के रहने वाले थे। मौत से पहले लिखे एक मार्मिक और सनसनीखेज सुसाइड नोट में उन्होंने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपनी मौत को 'इरादतन हत्या' करार दिया है। सिस्टम पर उठाए गंभीर सवाल मनोहर लाल ने सुसाइड नोट में एसओजी और पुलिस के अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें उन मामलों में घसीटा गया जिनमें उनका नाम तक नहीं था। जांच अधिकारियों ने उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश की। उन्हें डरा-धमकाकर जबरन कई चार्जशीट में आरोपी बनाया गया। आर्थिक तंगी और झूठे आरोपों के कारण वे पिछले 4 साल से संघर्ष कर रहे थे। मृतक ने लिखा, 'मैं मरा नहीं हूं, पुलिस ने मेरी इरादतन हत्या की है। मैं कमजोर नहीं हूं, लेकिन गलत आरोप अब सहन नहीं हो रहे।' घटना के बाद रेलवे ट्रैक पर जो मंजर दिखा, उसने प्रशासन की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए। चश्मदीदों के अनुसार, मनोहर लाल का शव करीब 3 घंटे तक ट्रैक पर ही पड़ा रहा। इस दौरान उनके शरीर के ऊपर से तीन ट्रेनें गुजर गईं, जिससे शव क्षत-विक्षत हो गया। अंत में वहां मौजूद एक राहगीर ने खुद शव को उठाकर ट्रैक से किनारे किया और पुलिस को सूचना दी।

अभाविप दिल्ली का 61वां प्रदेश अधिवेशन केशव महाविद्यालय में संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली का 61वां दो दिवसीय प्रदेश अधिवेशन केशव महाविद्यालय में स्थापित 'गुरु तेग बहादुर नगर' के माधवराव सभागार में एक फरवरी को संपन्न हुआ। अधिवेशन में दिल्ली के विभिन्न शैक्षणिक परिसरों से आये 503 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिवेशन में संगठनात्मक विकास, शैक्षिक नीतियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गुरुतेग बहादुर नगर में आयोजित अभाविप दिल्ली के 61वें अधिवेशन में कुल चार प्रस्ताव पारित किए गये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का हो प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल लत से आगे : प्रकृति, खेल और संस्कृति की ओर अग्रसर हो युवा, राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ एकजुट हो दिल्लीवासी तथा 'संरक्षित और सुरक्षित पर्यावरण हर पीढ़ी का मूल अधिकार सहित महत्वपूर्ण चार प्रस्तावों को प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों के अनुसार संशोधन कर पारित किया गया। अभाविप दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने आज पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए

बताया कि दिल्ली में अभाविप द्वारा किये गये क्रियाकलापों पर आधारित मंत्री प्रतिवेदन रखा, जिसमें दिल्ली में हुए अभाविप के कार्यक्रम, गतिविधियां, आंदोलन तथा लगभग 54000 सदस्यता तथा महाविद्यालय और नगर इकाई सहित कुल 113 इकाइयों का गठन इस वर्ष किया। अभाविप दिल्ली के 61वें प्रांत अधिवेशन में सत्र 2026-27 हेतु पुनः निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष प्रो. तपन बिहारी और प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा को चुनावाधिकारी प्रो. पंकज सिंह ने पदभार ग्रहण कराया। अभाविप दिल्ली के 61वें प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. चमू कृष्ण शास्त्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में अभाविप राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान एवं स्वागत समिति अध्यक्ष वेद प्रकाश टंडन और मंत्री राकेश गुप्ता उपस्थिति रही।चमू कृष्ण शास्त्री ने कहा कि परिषद के कार्यकर्ताओं में तीन शक्ति होनी चाहिए कार्यशक्ति, ज्ञानशक्ति और इच्छाशक्ति अगर यह तीनों है तो जरूर अच्छे समाज की नीवं का पत्थर बनेंगे।

तेलंगाना के मेदाराम जातरा में कथित यौन उत्पीड़न पर एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान, जांच समिति गठित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने तेलंगाना के मुलुगु जिले के मेदाराम में हाल ही में आयोजित सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के दौरान 13 वर्षीय बालिका के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना का संज्ञान लिया है। यह घटना छत्तीसगढ़ के पांच युवकों द्वारा कथित रूप से किए गए सामूहिक दुष्कर्म से संबंधित है। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने इस कथित घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। आयोग द्वारा बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार जांच समिति की अध्यक्षता एनसीडब्ल्यू की सदस्य डेलिना खोंगदुप करेंगी। एनसीडब्ल्यू की वरिष्ठ समन्वयक कंचन खट्टर समिति की सदस्य होंगी। समिति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), मुलुगु, तेलंगाना द्वारा नामित एक अधिवक्ता की सहायता भी ले सकती है। समिति जांच की शुरुआत 5 फरवरी से करेगी। समिति के सदस्य कथित घटना तक पहुंचने वाली परिस्थितियों की जांच, संबंधित प्राधिकरणों द्वारा की गई कार्रवाई का आकलन।

बोत्सवाना से 28 फरवरी को मध्य प्रदेश लाए जाएंगे आठ चीते

मप्र के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वन मंत्री यादव से की भेंट, असम से जंगली भैंसा लाकर मप्र में बसाने पर हुई चर्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आगामी 28 फरवरी को बोत्सवाना से 8 चीते प्रदेश में लाए जाएंगे। चीतों के पुनर्स्थापन के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव से आवश्यक सहयोग और व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत रूप से बात हुई है। असम से जंगली भैंसा लाने की प्रक्रिया को लेकर भी आवश्यक सहयोग और व्यवस्थाओं पर बात हुई। दरअसल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उनके बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय वन मंत्री यादव से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास, रिजर्व फॉरेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार वन्य जीवों

के संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बसाहट के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्य प्रदेश के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करता दिखाई देगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री यादव से मुलाकात के दौरान असम से जंगली भैंसा मध्य प्रदेश लाने की सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के लिए चर्चा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य जीव संरक्षण और जैव-विविधता संवर्धन के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिये आभार माना। केंद्रीय मंत्री यादव ने प्रदेश के प्रयासों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल?ली में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री जोशी से मध्य प्रदेश में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष और गेहूं उपार्जन एवं भंडारण व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में मध्य प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। इस वर्ष में हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का समुचित मूल्य दिलाने के लिए संकल्पित है। मध्य प्रदेश में गेहूं का उपार्जन एवं भंडारण की प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में गेहूं का उपार्जन सरलता से पर्याप्त भंडारण व्यवस्था के साथ होता है।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने मध्य प्रदेश को गेहूं उपार्जन में हरसंभव आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से उद्योग भवन में मुलाकात की। भेंट में विभाग से जुड़े केंद्र में लंबित मुद्दों पर चर्चा की और शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव सहित मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 32 घंटे बाद भी ट्रैफिक बेहाल, यात्री परेशान

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर आदोशी टनल के पास गैस टैंकर पलटने और उसमें आग लगने की घटना के 32 घंटे बाद भी हालात पूरी तरह से सामान्य नहीं हुए। हादसे के बाद जले हुए गैस टैंकर को बीती रात करीब 1:30 बजे सड़क से हटा दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम बना हुआ है और गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। हादसे के कारण एक्सप्रेसवे पर मुंबई जाने वाली लेन पर भारी असर पड़ा है। ट्रैफिक पुलिस ने उर्से टोल बूथ से पहले ही मुंबई की ओर जाने वाली गाड़ियों को रोक दिया है और उन्हें पुणे की दिशा में डायवर्ट किया जा रहा है। इस वजह से सैकड़ों वाहन चालक और यात्री रास्ते में ही फंसे हुए हैं। पुलिस का यह कदम यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि आगे जाम में फंसने की स्थिति न बने। दरअसल, आदोशी टनल के पास एक गैस टैंकर पलट गया था और उसमें भीषण आग लग गई थी। आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि सुरक्षा कारणों से एक्सप्रेसवे को काफी देर तक बंद रखना पड़ा। इस दौरान कई यात्री करीब 21 घंटे तक जाम में फंसे रहे। देर रात टैंकर हटने के बाद ट्रैफिक को आंशिक रूप से खोला गया, लेकिन हादसे के 32 घंटे बीत जाने के बाद भी जाम पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाया है। फिलहाल ट्रैफिक पुलिस हालात को संभालने में जुटी हुई है, लेकिन एक्सप्रेसवे पर सफर कर रहे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

घटना को लेकर यात्रियों और ड्राइवरों में गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। लोगों का आरोप है कि ट्रैफिक और हाईवे अधिकारी जाम की सही स्थिति की जानकारी नहीं दे रहे हैं। एक यात्री ने कहा कि अगर पहले से सही जानकारी दी जाती, तो वे टोल पार करने से बच सकते थे और बेवजह पैसे भी खर्च नहीं होते।

यात्री नितेश कांबले ने समाचार एजेंसी से अपनी परेशानी बताते हुए कहा, 'कल (बुधवार) दोपहर हम मुंबई के लिए निकले थे, लेकिन ट्रैफिक जाम की वजह से हमें रात में यहीं रुकना पड़ा। हमें उम्मीद थी कि सुबह तक हालात ठीक हो जाएंगे, लेकिन आज भी स्थिति जस की तस है। सभी गाड़ियों को आगे टोल से यू-टर्न लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से

हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम: थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे। इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं। ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं। ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी। वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई। युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है। वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है। वह , साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी। पांचवें स्थान पर ओमान की टीम है। वह सला 2024 के टी20 विश्व कप में 44 रनों पर आउट हुई थी।

टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस बार भी शायद ही टी20 विश्वकप खेलने का अवसर मिले। पिछली बार सैमसन टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं इस बार भी उन्हें अवसर मिलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। सैमसन इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में असफल रहे थे जबकि ईशान ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद पहले ही समाप्त हो गयी थी। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच मे भी अभिषेक और ईशान के साथ उतरी। ईशान ने इस दौरा अर्धशतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया।

ईशान को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिली थी। इससे साफ है कि अब सैमसन की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना भी समाप्त हो गयी है।

इससे पहले जब टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी तो संजू सैमसन मैन ओपनर और मैन विकेटकीपर थे, लेकिन अब बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट शुरू करेंगे।

सैमसन की इस हालत के कारण वह स्वयं हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए केवल 46 रन ही बनाये थे। सीरीज में उनका औसत 9.20 का था। 135.29 का स्ट्राइक रेट उनका रहा। 6 चौके और 2 छक्के पूरी सीरीज में उनके बल्ले से निकले। वहीं, अभिषेक ने 5 मैचों में 182 रन बनाए, बावजूद इसके कि वे दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं ईशान ने नंबर 3 पर 4 मैचों में 215 रन बनाए।

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं' नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु - भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, 'अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था।'

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, '(जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है।'

नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा, 'जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।'

उन्होंने कहा, 'जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो

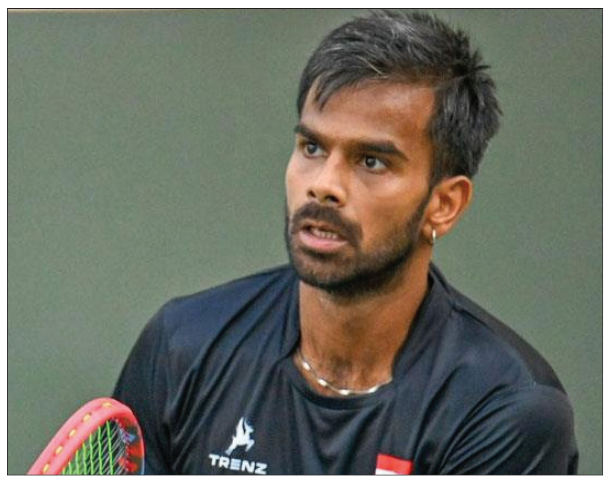

हमने अपना शिविर बदल दिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।' नागल 2025 के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद शीर्ष 100 से बाहर हो गए और उन्होंने इसे 'एक बड़ा सीखने का अनुभव' बताया। उन्होंने कहा, 'अगर आप टेनिस में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो आपकी रैंकिंग गिरती है, पैसे कम मिलते हैं, सब कुछ खत्म हो जाता है। मैं ऐसे मैच हार रहा था जो मुझे जीतने चाहिए थे और करीबी मैच भी नहीं जीत पा रहा था। इसी वजह से रैंकिंग गिरने लगी।'

नागल ने पिछले साल सिर्फ दो एटीपी टूर स्तर की प्रतियोगिता खेली और चैलेंजर सर्किट में सात बार पहले दौर में ही बाहर हो गए। उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण था, बीमार पड़ना, चोट लगना, लय खो देना। 2025 के आखिर में मैंने फिर से बेहतर खेलना शुरू किया लेकिन मैंने एक सीमित कार्यक्रम के अनुसार खेलने का फैसला किया और लंबे सत्र पूर्व कार्यक्रम पर ध्यान देने के लिए अपना सत्र जल्दी खत्म कर दिया।'

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। रिंक अभी आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी। इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था। रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था। प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी। सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे। रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं। अभी वह टी20 विश्वकप में व्यस्त हैं। विश्वकप 7 फरवरी से शुरु होने वाला है। इसके बाद 26 मार्च से 31 मई के बीच आईपीएल मुकाबले होंगे। इसके बाद ही रिंकू और प्रिया की शादी होगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम में शामिल हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है। वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे

बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा। इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है। अभिषेक ने सबसे पहले आईपीएल 2024 में अपने आक्रामम प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। इसी कारण उन्हें टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम में भी अवसर मिला। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी ही सीरीज में इस बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा दिखायी।

रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप को लेकर की भविष्यवाणी, ये टीम जीतेगी खिताब

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राज़ील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। लेकिन रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में अपनी नियुक्ति के बाद से एंसेलोटी ने राष्ट्रीय टीम में नया आत्मविश्वास जगाया है।

दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा, 'मैं बहुत आशावादी हूं।हमने कुछ बार मुलाकात की है और छठे खिताब पर विश्वास करने के लिए ब्राजीलियाई फैंस से अपील करते हुए एक मजेदार विज्ञापन भी फिल्माया है। मैं उन्हें जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं।' वर्ल्ड कप 11

जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड का सामना करेगा। रोनाल्डो, जिन्होंने 2002 में ब्राजील को आखिरी वर्ल्ड कप जीत दिलाई थी, जब उन्होंने आठ गोल किए थे, जिसमें जर्मनी के खिलाफ फाइनल में दो गोल शामिल थे, उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट देश को एकजुट करेगा। पूर्व बार्सिलोना और रियल मैड्रिड स्टार ने कहा, ''यह (वर्ल्ड कप) एक ब्राजीलियाई के लिए सबसे बड़ी खुशी है। यह एक ऐसा आयोजन है जो हमारे छठे खिताब की तलाश में ब्राज़ीलियाई लोगों को एक साथ लाएगा। मुझे लगता है कि हमें इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।' रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने 2024 और 2025 में क्रमशः ब्राजील के क्रूजेरो और स्पेन के वलाडोलिड में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचने के बाद फुटबॉल क्लब के स्वामित्व से एक कदम पीछे हटने का फैसला किया है। 49 वर्षीय ने कहा, 'फुटबॉल टीमों से जुड़े प्रोजेक्ट्स के साथ मेरा कोई वित्तीय लक्ष्य नहीं था। मैं खुद का एक प्रोजेक्ट लीड करने का अनुभव लेना चाहता था, जिसमें मैं इंचार्ज रहूं, और यह बहुत बढ़िया था। लेकिन जब मुझे समझ आया कि क्लब्स को आगे बढ़ाने के लिए मुझे पीछे हटना होगा, तो उसी पल मैंने दोनों स्टेक बेचने का फैसला किया।' अब वह छोटे बिज़नेस वेंचर्स पर फोकस कर रहे हैं, जैसे साओ पाउलो में एक नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना जिसमें आर्टिफिशियल वेव पूल होंगे। उन्होंने कहा, 'जब मैंने वे दोनों टीमें बेचीं, तो मैंने तय किया कि कुछ समय के लिए मैं फुटबॉल इंडस्ट्री से ज्यादा शांत चीजें चाहता हूं।'

महिला हॉकी टीम की फिटनेस पर है ध्यान : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।भारतीय महिला हॉकी टीम इसी साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों में लगी है। इसी को देखते हुए मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान टीम की फिटनेस बनाये रखने के साथ ही आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहेगा। मारिज्ने ने कहा कि फिटनेस पर अधिक ध्यान इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि ये आजकल के खेल में सबसे जरुरी है। इसी पर टीम का प्रदर्शन आधारित रहता है। इसके अलावा खिलाड़ियों के एक जुट होकर खेलने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब टीम फिट होगी तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगी क्योंकि दबाव सहने के लिए शारीरिक रुप से मजबूत होना जरुरी है। भारतीय टीम को अभी 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर खेलने हैं। इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं। टीम आजकील बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में अभ्यास कर रही है। ये 18 फरवरी तक चलेगा। शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं।

फेड कप 2026 चयन विवाद: विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को 'अनुचित' बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी

फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।

'ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं'

विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।

निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट

स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया। उनके अनुसार, जब खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका ही नहीं मिलेगा, तो देश के लिए नई प्रतिभाएं सामने कैसे आएंगी।

ओपन ट्रायल की जोरदार मांग

विनेश फोगाट ने खुलकर ओपन ट्रायल की वकालत की। उन्होंने कहा कि असली टैलेंट सिर्फ मैट पर पहचाना जा सकता है, न कि कागजी मानदंडों से। किसी खिलाड़ी को ट्रायल का मौका न देना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

अपने बयान के अंत में, विनेश ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और नायब सैनी से इस मुद्दे में दखल देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य के पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए सरकार का हस्तक्षेप बेहद जरूरी है।

बांग्लादेश को विश्वकप में शामिल किया जाता है तो पाकिस्तान भी बदलेगा बहिष्कार का फैसला : सेठी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश को टी20 विश्वकप में शामिल करने के लिए तैयार हो जाता है तो उनकी टीम भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए तैयार हो जाएगी। वहीं आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि मैच का बहिष्कार उसे भारी पड़ेगा। ऐसे में उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने यह भी साफ किया है कि

बहिष्कार का कदम खेल और व्यावसायिक हितों के लिए सही नहीं होगा, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है. हालांकि आईसीसी ने अभी तक ये नहीं बताया है कि वह पीसीबी को किस प्रकार की सजा दे सकती है। वहीं सेठी का मानना है कि हालात अब भी ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ऊमेरे हिसाब से अगर बांग्लादेश को श्रीलंका बुलाया जा सकता है, तो अभी देर नहीं हुई है। वहां कई मैच खेले जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी लोगा विश्व क्रिकेट की भलाई को देखते हुए सही फैसला करेंगे। हर कोई भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहता है। साथ ही कहा कि अगर आईसीसी उनकी बात नहीं मानती है तो पाक मैच से बाहर रहने के फैसले पर बना रहेगा। उसने कानूनी मामलों से निपटने के लिए अपने वकीलों से बात की है।

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

कब रिलीज होगी लव एंड वॉर

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फ्रेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती

हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फ्रेंचाइज की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

श्रीलीला के साथ पहली बार नजर आएंगे धनुष

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं।

धनुष की आगामी फिल्म का नाम

धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की 55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे। धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

निर्माताओं ने की घोषणा

फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने यह घोषणा की। उन्होंने लिखा, आपने यह उम्मीद नहीं की होगी। खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला का डी55 में स्वागत है। साथ में धनुष, श्रीलीला और टीम की कई तस्वीरें भी शेयर की गईं, जो बहुत तेजी से फैंस के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म डी55 के बारे में

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट स्क्रोलिंग को कहा दलदल

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने एंटरप्रेन्योर के तौर पर कई बातें साझा की हैं।

भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।

बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ।कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

'दलदल' वेब सीरीज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल' वेब सीरीज 30 जनवरी से अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे की जया भट्टाचार्य, चिनमय मंडलेकर, गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

दमदार एक्टर होने के साथ एक फैमिली मैन भी हैं शाहिद कपूर

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला।

मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

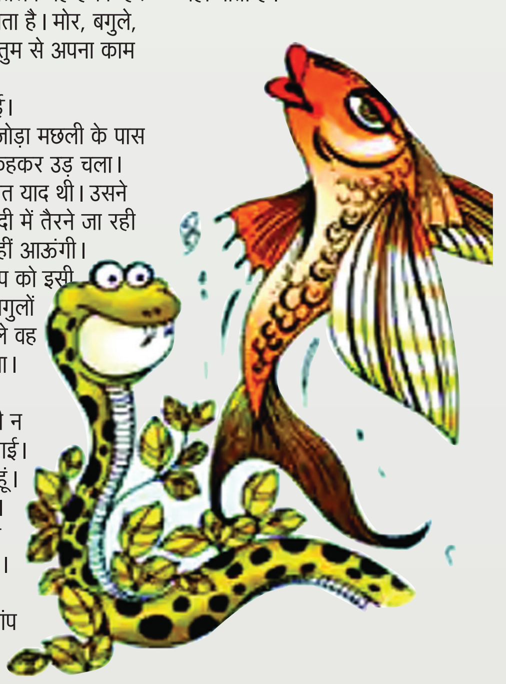

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्यद्ग शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है.

बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

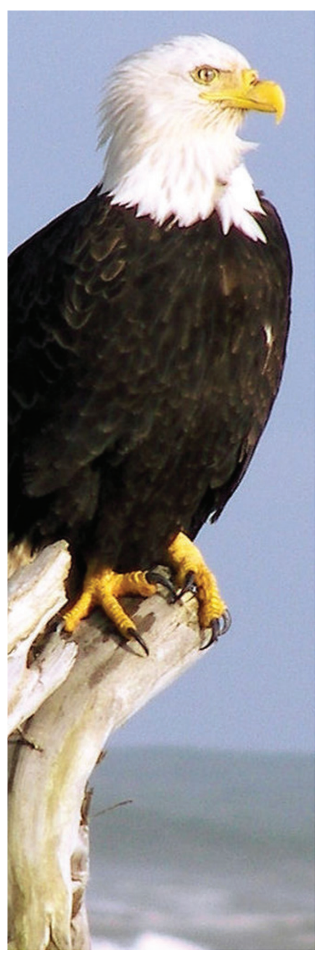

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।